



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 49] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 8, 1973/अग्रहायण 17, 1895
No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 8, 1973/AGRAHAYANA 17, 1895

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये विधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities
(other than the Administration of Union Territories)

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1973

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग, मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा समय-समय पर जारी किये जाने वाले अनुदेशों के अनुसार स्थान आरक्षित किये जायेंगे।

[सं 7/27/71--के सं० 2]

पी०एल० गुप्ता, उप-सचिव

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 24th November, 1973

का. का. 3362:—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में उन्हें समर्थ करने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1969 में और आगे संशोधन करने के लिये एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा (तृतीय संशोधन) नियम, 1973 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा, 1969 की छठी अनुसूची में पैराग्राफ 3 में विद्यमान टिप्पणी को उस की टिप्पणी 2 के रूप में पुनर्रचित किया जायेगा और इस प्रकार पुनर्रचित टिप्पणी 2 से पहले निम्नलिखित टिप्पणी अन्तर्विष्ट की जायेगी, अर्थात्:—

"टिप्पणी 1. अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित भाषिम जातियों के अधिकारियों के मामलों पर विचार करते समय,

S.O. 3362.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Secretariat Stenographer Service Rules, 1969, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Secretariat Stenographers Service (Third Amendment) Rules, 1973.

2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Sixth Schedule to the Central Secretariat Stenographers Service, 1969, in paragraph 3, the existing Note shall be renumbered as Note 2 thereof, and before Note 2

as so renumbered, the following Note, shall be inserted, namely :—

"Note 1.—While considering the cases of Officers belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, reservation shall be made in accordance with such instructions as may be issued by the Central Government in the Department of Personnel and Administrative Reforms in the Cabinet Secretariat from time to time."

[No. 7/27/71-CS. II.]

P. L. GUPTA, Deputy Secy.

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर, 1973

क्र. आ. 3363.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 29-विदिशा निर्वाचनक्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ठाकुर दास पेंसुमल, गौहार्गंज, जिला रायसैन (मध्य प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्तर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री ठाकुर दास पेंसुमल को संसद के किसी भी सदन में या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरीहृत घोषित करता है।

[सं. म. प्र. लो. सं./29/71(2)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDER

New Delhi, the 26th October, 1973

S.O. 3363.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Thakurdas Pesumal, Resident of Goharganj, District Raisen (Madhya Pradesh) who was a contesting candidate for election to the House of the People from 29-Vidisha constituency held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Thakurdas Pesumal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-HP/29/71(2)]

आदेश

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1973

क्र. आ. 3364.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में हुए लोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 6-छपरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री मकसूदन सिंह, ग्राम नूरनगर काही, पो. जलालपुर बाजार, जिला सारण (बिहार), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री मकसूदन सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरीहृत घोषित करता है।

[सं. बिहार-लो. सं./6/71(14)]

ORDER

New Delhi, the 7th November, 1973

S.O. 3364.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Maksudan Singh, Village Nur Nagar, Kahi, P.O. Jalalpur Bazar, Distt. Saran (Bihar) who was a contesting candidate for election to the House of the People from 6-Chapra constituency held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Maksudan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-HP/6/71(14)]

आदेश

क्र. आ. 3365.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 27-सीवान निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बाल किरण सिंह, ग्राम हकाम, पो. सीवान (सारण) बिहार, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री बाल किशुन सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. बिहार-वि. स./27/72(32)]

ORDER

S.O. 3365.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Balkishun Singh, Village Hakam, P.O. Siwans, Saran (Bihar) who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 27-Siwan constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Balkishun Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/27/72(32)]

आदेश

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1973

क्र. आ. 3366.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 46-सानपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रघुवंश सिंह, ग्राम जतीपुर, पो. बिचवारा, जिला सारण, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री रघुवंश सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. बिहार-वि. स./48/72(33)]

ए. एन. सैन, सचिव

ORDER

New Delhi, the 19th November, 1973

S.O. 3366.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Raghubans Singh, village Jaintipur, P.O. Dighwara, District Saran who was a contesting candidate for election

to the Bihar Legislative Assembly from 46-Sonepur constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Raghubans Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a state for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/46/72/(33)]

A. N. SEN, Secy.

घावेष

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1973

क्र. आ. 3367.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च 1972 में हुए पंजाब विधान सभा के लिये साधारण निर्वाचन के लिये 19 अटारी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुलेखन सिंह, ग्राम पोह्ला, पो० सिंगपुरा, तहसील तर्न-तारन, जिला अमृतसर (पंजाब) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं।

और यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिये कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सुलेखन सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधानसभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

[सं० पंजाब वि० स० /19/72(21)]

वी० नागसुब्रमण्यन, सचिव

ORDER

New Delhi, the 7th November, 1973

S.O. 3367.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sulekhan Singh, Village Pohla, P. O. Singhpura, Tehsil Tarn-Taran, District Amritsar (Punjab), a contesting candidate in the general election held in March, 1972 to the Punjab Legislative Assembly from 19-Attari constituency, has failed to lodge an account of his election expenses, as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sulekhan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this Order.

[No. PB-LA/19/72/(21)]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1973

का. आ. 3368.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13-क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग, कर्नाटक सरकार के परामर्श से, श्री डी. बालगोपालन, विशेष सचिव कर्नाटक सरकार, विधि और संसदीय कार्य विभाग, को 12 नवम्बर, 1973 के पूर्वोक्त से भगले आवेशों तक, कर्नाटक राज्य के लिये मुख्य निर्वाचन अधिकार के रूप में एतद्वारा नामनिर्दिष्ट करता है।

[सं० 154/मैसूर/73]

बी० एन० भारद्वाज, सचिव

New Delhi, the 19th November, 1973

S.O. 3368.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India in consultation with the Government of Karnataka, hereby nominates Shri D. Balagopalan, Special Secretary to Government, Department of Law and Parliamentary Affairs, as the Chief Electoral Officer for the State of Karnataka with effect from the forenoon of 12th November, 1973 and until further orders.

[No. 154/MY/73]

B. N. BHARDWAJ, Secy.

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1973

का. आ. 3369.—एकाधिकार एवं निर्बन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप-धारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नांकित उपक्रमों के अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है :—

1. मॅ. नार्थब्रुक जूट कम्पनी लिमिटेड
(पंजीकरण प्रमाण-पत्र सं. 515/1970, दिनांक 11 नवम्बर, 1970)
2. मॅ. हलहॉजी जूट कम्पनी लि.
(पंजीकरण प्रमाण-पत्र सं. 516/1970, दिनांक 11 नवम्बर, 1970)
3. मॅ. एफ. डबल्यू. हॉर्लिस एण्ड कम्पनी (प्राइवेट) लि.
(पंजीकरण प्रमाण-पत्र सं. 510/1970, दिनांक 11 नवम्बर, 1970)

[संख्या 22/45/72-एम. 2]

ए. कं. घोष, अवर सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 26th November, 1973

S.O. 3369.—In pursuance of sub-section (3) of section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of registration of the following undertakings under the said Act :—

1. M/s. Northbrook Jute Company Limited (Certificate of Registration No. 515/1970 dated the 11th November, 1970).

2. M/s. Dalhousie Jute Company Limited (Certificate of Registration No. 516/1970 dated the 11th November, 1970).

3. M/s. F. W. Heilgers & Co. (Private) Limited. (Certificate of Registration No. 510/1970 dated the 11th November, 1970).

[No. 22/45/72-M(II)]

A. K. GOSH, Under Secy.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1973

का. आ. 3370.—ग्रन्थमान व निकोबार द्वीप समूह भू-राजस्व और भूमि सुधार विनियम, 1966 (1966 का 2) के खण्ड 46 के उप-खण्ड (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा ग्रन्थमान व निकोबार द्वीप समूह के उपायुक्त श्री रमेश चन्द्र को उक्त विनियम के प्रयोजन के लिये बन्दोबस्त आयुक्त नियुक्त करती है।

[सं० 23/4/73—ए० एन० एल०]

के० के० गुप्ता, उप सचिव

New Delhi, the 24th November, 1973

S.O. 3370.—In pursuance of Sub-Section (1) of Section 46 of the Andaman and Nicobar Islands Land Revenue and Land Reforms Regulation, 1966 (2 of 1966), the Central Government hereby appoints Shri Ramesh Chandra, Deputy Commissioner, Andaman & Nicobar Islands to be the Settlement Commissioner for the purpose of the said regulation.

[No. 23/4/73-ANL]

K. K. GUPTA, Deputy Secy.

विस्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1973

आय-कर

का. आ. 3371.—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 138 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपखण्ड (2) के अनुसरण में, विभागीय जांच आयुक्तों को, जिन्हें विभागीय जांच (साक्षियों की हजरती कराना और दस्तावेजों का पेश करना) अधिनियम, 1972 की धारा 3 के खण्ड (ख) में वर्णित जांच प्राधिकारी के रूप में नियुक्ति किया गया है, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 138 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उप-खण्ड (2) के प्रयोजनों के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 491 (का. सं. 403/13/73-आई टी सी सौ)]

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue and Insurance)

New Delhi, the 30th October, 1973

INCOME TAX

S.O. 3371.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (a) of sub-section (1) of Section 138 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the Commissioners for Departmental Enquiries who have been appointed as the Inquiring Authority mentioned in clause (b) of Section 3 of the Departmental Enquiries (Enforcement of Attendance of Witnesses and Production of Documents) Act, 1972 for the purposes of sub-clause (ii) of clause (a) of sub-section (1) of Section 138 of the Income-tax Act, 1961.

[No. 491(F. No. 403/13/73-ITCC)]

नई दिल्ली 31 अक्टूबर, 1973

प्रदेश

का. आ. 3372.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (3) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सर्वश्री आर. डी. ठक्कर और आर. सी. पाठक को, जो केन्द्रीय सरकार के राज-पत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर-वसूली अधिकारियों की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती हैं।

2. अधिसूचना सं. 253 (फा. सं. 404/274/72-आई टी सी सी) तारीख 2 जनवरी, 1973 के अन्तर्गत की गई श्री बी. के. सोनारा की नियुक्ति को रद्द किया जाता है।

3. यह अधिसूचना सन्त प्रवृत्त होगी।

[सं. 492 (फा. सं. 404/194/73-आई टी सी सी)]

एम. एन. नम्बियार, अवसर सचिव

New Delhi, the 31st October, 1973

INCOME TAX

S.O. 3372.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of Clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises S./Shri R. D. Thakkar and R. C. Pathak who are Gazetted Officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. The appointment of Shri B. K. Sonara made under Notification No. 253 (F. No. 404/274/72-ITCC) dated 2nd January, 1973 is hereby cancelled.

3. This Notification shall come into force with immediate effect.

[No. 492 (F. No. 404/194/73-ITCC)]

M. N. NAMBIAR, Under Secy.

आवृत्त

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 1973

(स्टाम्प)

का. आ. 3373.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उस शुल्क से, जो जम्मू और कश्मीर राज्य वित्त निगम द्वारा जारी किए जाने वाले पचास लाख रुपये अधिकतम मूल्य के बन्ध पत्रों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य हैं, छूट देती हैं।

[सं. 33/73-स्टाम्प/फा. सं. 471/66/73-का. 7]

ORDER

New Delhi, the 8th December, 1973

STAMPS

S.O. 3373.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds to the face value of fifty lakhs of rupees, to be issued by the Jammu and Kashmir State Financial Corporation, are chargeable under the said Act.

[No. 33/73-Stamps/F. No. 471/66/73-Cus. VII]

का. आ. 3374.—केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मुम्बई नगर नियम, मुम्बई को, उक्त नियम द्वारा जारी किये गये पन्द्रह करोड़ और पैतालीस लाख रुपये के अंकित मूल्य के निम्नलिखित उधार डिबेंचरों पर उद्ग्रहणीय स्टाम्प-शुल्क भन्ने प्रभार्य और शरणार्थी राहत स्टाम्प भन्ने अधिभार पन्द्रह लाख पैतालीस हजार और तीन सौ अड़तालीस रुपये मात्र के समेकित स्टाम्प शुल्क का संवाय करने के लिए अनुज्ञा देती है:

जारी किए जाने वाले डिबेंचर और वर्ष	अंकित मूल्य (रुपयों) में
1971-72 के लिए 1-उधार	20,00,000
1972-73 के लिए 2-3 उधार	4,00,00,000
1971-72 के लिए 1-उधार	25,00,000
1972 के लिए 3475-उधार	11,00,00,000

सं. 34/73-स्टाम्प (फा. सं. 471/54/73-सीमा. 7)

जे. रामकृष्णन, अवसर सचिव

ORDER

S.O. 3374.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Bombay Municipal Corporation, Bombay to pay consolidated stamp duty of rupees fifteen lakhs forty five thousands and three hundred fortyeight only chargeable on account of the stamp duty and surcharge on account of the Refugee Relief Stamps leviable on the following loans debentures of the face value of rupees fifteen crores and forty five lakhs issued by the said Corporation:

Debentures to be issued and year	Face value in (Rs.)
1-Loan for 1971-72	20,00,000
3-Loan for 1972-73	4,00,00,000
1-Loan for 1971-72	25,00,000
3475-Loan for 1972	11,00,00,000

[No. 34/73 Stamps (F. No. 471/54/73—Cus. VII)]

J. RAMAKRISHNAN, Under Secy.

(बैंकिंग विभाग)

मयी दिल्ली, 21 नवम्बर, 1973

का. आ. 3375.—बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध से पंजाब एण्ड सिंध बैंक लिमिटेड, मयी दिल्ली पर उनकी देहरादून स्थित सम्पत्ति अर्थात् डिपॉजिटरी रोड पर स्थित प्रहासा नं. 4 जिसमें रिहायशी क्वार्टर और दुकानें हैं तथा मोती बाजार स्थित दुसंजली बिल्डिंग नं. 33/32 के बारे में छः अक्टूबर, 1974 तक लागू नहीं होंगे।

[सं. 15(30)—बी० प्रो० 3/73]

मे० भा० उसगाविकर, अवसर सचिव

(Department of Banking)

New Delhi, 21st November, 1973

S.O. 3375.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 9 of the said Act shall not apply till the 6th October 1974 to the Punjab & Sind Bank Ltd., New Delhi in respect of the two properties viz., premises No. 4 consisting of residential quarters and shops at Dispensary Road and double storeyed building No. 33/32, Moti Bazar, both held by it at Dehradun.

[No. 15(30)-B. O. III/73]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1973

आयकर

फा. आ. 3376.—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अपने पूर्ववर्ती आदेश सं. 102 (फा. सं. 261/14/72-आई टी जे) तारीख 2 जून, 1972 को भागतः उपान्तरित करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश देता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में क्रम सं. 2 में पटना 'ख' रेंज के अन्तर्गत आयकर सर्किल, बिहारशरीफ उसके स्तम्भ 3 में मद्द (4) के रूप में जोड़ा जाएगा।

यह अधिसूचना 22 फरवरी, 1973 से प्रभावी होगी।

[सं. 298 (फा. सं. 261/6/73-आई टी जे)]

एस. एन. एल. अग्रवाल, अवर सचिव

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 21st February, 1973

INCOME-TAX

S.O. 3376.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in this behalf and in partial modification of its earlier order No. 102 (F. No. 261/14/72-ITJ) dated the 2nd June, 1972 the Central Board of Direct Taxes hereby directs that in the Schedule annexed thereto in Sl. 2 under Patna 'B' Range, I.T. circle, Biharsharif shall be added as item (iv) in column 3 thereof.

This notification shall take effect from 22-2-73.

[No. 298 (F. No. 261/6/73-ITJ)]

S. N. L. AGGARWALA, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1973

आयकर

फा. आ. 3377.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उसे इस निमित्त समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड समय-समय पर यथा संशोधित अपनी अधिसूचना सं. 100 (फा. सं. 261/7/72-आई

टी जे) तारीख 31 मई, 1972 से उपाबद्ध अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :—

2. उक्त अनुसूची में रेंज 2, जबलपुर के सामने स्तम्भ 2 में निम्नलिखित का लोप किया जाएगा : सं. 2 आय कर अधिकारी, चन्दाई, जबलपुर और सं. 4 आयकर अधिकारी, छन्दाई, जबलपुर।

3. उक्त अनुसूची में रेंज 3, जबलपुर के सामने, स्तम्भ 2 के नीचे निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

8. आयकर अधिकारी, चन्दाई, जबलपुर।

9. आयकर अधिकारी, छन्दाई, जबलपुर।

10. ऐसे मामलों में, जिनमें वर्तमान अधिकारिता, आयकर अधिकारी जन्दाई, जबलपुर में निहित की गई है, सी. आई. टी. की अधिसूचना सं. 22/आई टी/एम पी/72 तारीख 25-7-1972 देखिये, आयकर अधिकारी, छन्दाई, जबलपुर द्वारा पारित आवेशों के विरुद्ध सहायक आयुक्त (अपील), विशेष रेंज, जबलपुर के सामने लम्बित सभी अपीलों।

11. ऐसे मामलों में, जिनमें वर्तमान अधिकारिता आयकर अधिकारी दमोह में निहित की गई है, सी.आई.टी. की अधिसूचना सं. 191 आई टी/एम पी/72 तारीख 25 जुलाई, 1972 देखिये, आय कर अधिकारी, चन्दाई, सागर के आवेशों के विरुद्ध सहायक आयुक्त (अपील) विशेष रेंज, जबलपुर के सामने लम्बित सभी अपीलों।

यह अधिसूचना 12 मार्च, 1973 से प्रभावी होगी।

[सं. 311 (फा. सं. 261/2/73-आई टी जे)]

New Delhi, the 8th March, 1973

INCOME TAX

S.O. 3377.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and all other powers enabling it in this behalf, the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments in the Schedule appended to its Notification No. 100 (F. No. 261/7/72-ITJ) dated 31st May, 1972 as amended from time to time viz. :

2. In the said Schedule against Range-II, Jabalpur under Col. 2 the following shall be omitted namely : No. 2 Income-tax Officer 'D' Ward, Jabalpur and No. 4 Income-tax Officer, G-Ward, Jabalpur.

3. In the said Schedule against Range-III, Jabalpur under Col. 2 the following shall be added namely :—

8. Income-tax Officer, D-Ward, Jabalpur.

9. Income-tax Officer, G-Ward, Jabalpur.

10. All appeals pending with A.A.C., Special Range, Jabalpur against orders passed by the Income-tax Officer, B-Ward Jabalpur in the cases in which the present jurisdiction is vested with the Income-tax Officer, H-Ward, Jabalpur vide C.I.T.'s Notification No. 22/IT/MP/72 dated 25-7-1972.

11. All appeals pending with A.A.C., Special Range, Jabalpur against orders of Income-tax Officer, A-Ward, Sagar in cases in which the present jurisdiction is vested with the Income-tax Officer, Damoh, vide CIT's Notification No. 19/IT/MP/72 dated 25-7-1972.

This Notification shall take effect from 12th March, 1973.

Explanatory Notes :

The amendment has become necessary on account of reallocation of work for ensuring adequate work load with each Appellate Assistant Commissioner.

(The above note does not form part of the Notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 311 (F. No. 261/2/73-ITJ)]

नई दिल्ली, 4 मई, 1973

का. प्रा. 3378.—प्राय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस सम्बन्ध में सभी पूर्व अधिसूचनाओं को अधिकाृत करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक प्राय-कर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ 3 में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट प्राय-कर सफिलों, बाडों और जिलों में प्रायकर या अधिकार से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

क्रम	रेंज	प्राय-कर सफिल, बाडें और जिले
(1)	(2)	(3)
1. विशेष रेंज, लखनऊ।	1. क-बाडें सफिल-1, लखनऊ। 2. ख-बाडें सफिल-1, लखनऊ। 3. ग-बाडें सफिल-1, लखनऊ। 4. क-बाडें सफिल-II, लखनऊ (जो 31-5-1968 तक और 1-8-68 से 1-6-1969 तक और तत्पश्चात् विद्यमान रहा) 5. कम्पनी सफिल, लखनऊ। 6. विशेष सफिल, लखनऊ। 7. फैजाबाद। 8. लखीमपुर। 9. सम्पदा शुल्क-एवं-प्रायकर सफिल लखनऊ।	
2. क-रेंज लखनऊ।	1. सफिल-1, लखनऊ, जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित नहीं हैं : (i) क-बाडें सफिल-1, लखनऊ। (ii) ख-बाडें, सफिल-1 लखनऊ। (iii) ग-बाडें, सफिल-1, लखनऊ। (iv) च-बाडें, सफिल-1, लखनऊ। 2. वेतन सफिल, लखनऊ। 3. क-बाडें को छोड़कर सफिल-II लखनऊ (जो कि 31-5-1968 तक और 1-8-68 से 1-6-69 तक और तत्पश्चात् विद्यमान रहा)। 4. गोरखपुर।	

1	2	3
3. ख-रेंज लखनऊ।	1. च-बाडें, सफिल-1, लखनऊ। 2. हुरदोई। 3. बेहराबच। 4. सीतापुर। 5. बस्ती। 6. गोडा। 7. आजमगढ़।	
4. वाराणसी रेंज, वाराणसी।	1. सफिल-1, वाराणसी। 2. सफिल-2, वाराणसी। 3. वाराणसी। 4. विशेष सफिल, वाराणसी। 5. विशेष सर्वेक्षण सफिल, वाराणसी। 6. परियोजना सफिल, वाराणसी। 7. जौनपुर। 8. बलिया।	
5. इलाहाबाद रेंज, इलाहाबाद।	1. इलाहाबाद। 2. मिर्जापुर। 3. वेतन सफिल, इलाहाबाद। 4. सम्पदा-शुल्क-एवं-प्रायकर सफिल इलाहाबाद।	
6. क-रेंज, बरेली	1. क-बाडें, बरेली। 2. ख-बाडें, बरेली। 3. हुरदानी। 4. शाहजहानपुर। 5. नैनीताल।	
7. ख-रेंज, बरेली	1. बरेली सफिल, जिसमें निम्न-लिखित नहीं होंगे :— (i) क-बाडें, बरेली। (ii) ख-बाडें, बरेली। 2. पीलीभीत। 3. नवायुं। 4. अलमोड़ा। 5. चन्दौसी। 6. रामपुर। 7. काशीपुर।	
8. मुरादाबाद रेंज, मुरादाबाद।	1. मुरादाबाद। 2. नजीबाबाद। 3. बुलन्दशहर।	

जहाँ इस अधिसूचना द्वारा कोई प्राय-कर सफिल, बाडें या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरी रेंज को अन्तर्गत हो गया हो, वहाँ उस प्राय-कर सफिल, बाडें या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे वह प्राय-कर सफिल, बाडें या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर लिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष सम्मिलित थी, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त सफिल बाडें या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तर्गत कर दी जाएगी जो उनके संबंध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 15 मई, 1973 से प्रभावी होगी।

[सं० 343 (फा० सं० 261/14/73-प्राई० टी० जे०)]

New Delhi, the 4th May, 1973.

[No. 343(F. No. 261/14/73—ITJ)]

S. O. 3378 :—In exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all previous Notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the Ranges specified in column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding entry in column 3 thereof :

SCHEDULE

S.No.	Ranges	Income-tax Circles, Wards and Districts
1	2	3
1. Special Range, Lucknow.	1. A-Ward Circle-I, Lucknow. 2. B-Ward Circle-I, Lucknow. 3. C-Ward Circle-I, Lucknow. 4. A-Ward Circle-II, Lucknow (which existed upto 31-5-1968 and from 1-8-1968 to 1-6-1969 and thereafter) 5. Company Circle, Lucknow. 6. Special Circle, Lucknow. 7. Faizabad. 8. Lakhimpur Kheri. 9. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Lucknow.	
2. A-Range, Lucknow.	1. Circle-I, Lucknow excluding: (i) A-Ward, Circle-I, Lucknow. (ii) B-Ward, Circle-I, Lucknow. (iii) C-Ward, Circle-I, Lucknow. (iv) F-Ward, Circle-I, Lucknow. 2. Salary Circle, Lucknow. 3. Circle-II, Lucknow (which existed upto 31-5-1968 and from 1-8-68 to 1-6-69 and thereafter) excluding A-Ward. 4. Gorakhpur.	
3. B-Range, Lucknow	1. F-Ward, Circle-I, Lucknow. 2. Hardoi. 3. Bahraich. 4. Sitapur. 5. Basti. 6. Gonda. 7. Azamgarh.	
4. Varanasi Range, Varanasi.	1. Circle-I, Varanasi. 2. Circle-II, Varanasi. 3. Varanasi. 4. Special Circle, Varanasi. 5. Special Survey Circle, Varanasi. 6. Project Circle, Varanasi. 7. Jaunpur. 8. Ballia.	
5. Allahabad Range, Allahabad.	1. Allahabad. 2. Mirzapur. 3. Salary Circle, Allahabad. 4. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Allahabad.	

1	2	3
6. A-Range, Bareilly.	1. A-Ward, Bareilly. 2. B-Ward, Bareilly. 3. Haldwani. 4. Shahjahanpur. 5. Nanital.	
7. B-Range, Bareilly.	1. Bareilly Circle excluding : (i) A-Ward Bareilly. (ii) B-Ward Bareilly. 2. Pillbhit. 3. Badaun. 4. Almora. 5. Chandausi. 6. Rampur. 7. Kashipur.	
8. Moradabad Range, Moradabad.	1. Moradabad. 2. Najibabad. 3. Bulandshahr.	

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall, from the date this Notification takes effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 15th May, 1973.

Explanatory Note :

The amendments have become necessary due to rationalising the jurisdiction of Appellate Assistant Commissioner and their work load distribution.

[No. 343 (F. No.261/14/73-ITJ)]

नई दिल्ली, तारीख 8 जून, 1973

क्रा.प्र. 3379.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रबल शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और इस संबंध में सभी पूर्व अधिसूचनाओं को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट सहायक आयकर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ (2) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों, बाडों और जिलों में आयकर या अधिकार के लिए निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

रेंज	आयकर सर्किल, बाडें और जिले
1	2
1. केन्द्रीय रेंज—I, मुम्बई।	आयकर अधिकारी, अनुभाग I, X, XI, XII, XIII, XIV, XVI, XVIII, XX, XXI और XXII मुम्बई और अनुभाग I और II, महमदाबाद की अधिकारिता के अधीन सभी मामलों।

1	2
2. केन्द्रीय रेंज II, मुम्बई	आयकर अधिकारी अनुभाग II, III, IV, V, VI, VII, VIII, IX, XV, XVII, XIX, और XXIII (केन्द्रीय), मुम्बई की अधिकारिता के अधीन सभी मामले।

जहाँ इस अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरे रेंज को अन्तर्गत हो गया हो वहाँ उस आय-कर सर्किल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे वह आयकर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष लम्बित थी, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तर्गत कर दी जाएगी जो उनके संबंध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 16 जून, 1973 से प्रभावी होगी।

[सं० 370 (फा० सं० 261/13/73-आई० टी० जे०)]
New Delhi, the 8th June, 1973.

S.O. 3379 :—In exercise of the powers conferred by Sub-section (I) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all previous Notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax specified in Column (I) of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding entry in column (2) thereof :

SCHEDULE

Range	Income-Tax Circle Wards & District
1. Central Range-I Bombay.	All cases under the jurisdictions of Income-tax Officer, Sections I, X, XI, XII, XIII, XIV, XVI, XVIII, XX, XXI & XXII at Bombay and Sections I & II at Ahmedabad.
2. Central Range -II, Bombay.	All cases under the jurisdictions of Income-tax Officers, Sections II, III, IV, V, VI, VII, VIII, IX, XV, XVII, XIX & XXIII (Central), Bombay.

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of the range from whom the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date this Notification takes effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from the 16th June, 1973.

EXPLANATORY NOTE

The amendment has become necessary on account of abolition of the charge of A.A.C. Central Range-III, Bombay and redistribution of work amongst the A.A.Cs.

(The above note does not form a part of the notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 370(F. No. 261/13/73—ITJ)]

क्रा० आ० 3380—आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का और उस निमित्त उसको समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और अधिसूचना सं० 155 (फा० सं० 261/18/72-आई टी जे) तारीख 11-8-1972 को उपान्तरित करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निवेश देता है कि नीचे के अनुसूची के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आयकर आयुक्त (अपील) उसके सतम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट उन आयकर सर्किलों, वार्डों और जिलों में आयकर या अधिकर या धनकर या वानकर या व्ययकर के लिए निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे जिनके अन्तर्गत वे आयकर सर्किल, वार्ड और जिले नहीं हैं जो अधिसूचना 371 (फा० सं० 261/12/73-आई टी जे) तारीख 8-6-1973 द्वारा सम्पदा-शुल्क/नियंत्रक (अपील), हैदराबाद के विनिर्दिष्टतः आर्बित किए गए हैं और जिनके अन्तर्गत वे अपीलें नहीं हैं जो (1) आदेश सं० 150 (फा० सं० 262/183/71 आई टी जे), तारीख 17-8-1971 द्वारा सहायक आयकर आयुक्त (अपील) विजयवाड़ा रेंज से सहायक आयकर आयुक्त (अपील) गुन्तुर रेंज को, (2) आदेश सं० 48 (फा० सं० 262/26/72-आई टी जे), तारीख 22-3-1972 द्वारा सहायक आयकर आयुक्त (अपील), ख-रेंज, हैदराबाद से सहायक आयकर आयुक्त (अपील), क-रेंज हैदराबाद को और (3) आदेश सं० 145 (फा० सं० 262/48/72-आई टी जे) तारीख 11-8-1972 द्वारा यथा संशोधित आदेश सं० 84 (फा० सं० 262/48/72-आई टी जे) तारीख 14-4-1972 द्वारा सहायक आयकर आयुक्त (अपील), विजयवाड़ा, रेंज से सहायक आयकर आयुक्त (अपील) विशेष रेंज, हैदराबाद को विनिर्दिष्टतः अन्तर्गत की गई है :

अनुसूची

क्रम सहायक आयुक्त (अपील) को आयकर सर्किल, वार्ड और सं० रेंज जिला

1	2	3
1 विशेष रेंज, हैदराबाद ।	1. कम्पनी सर्किल, हैदराबाद ।	
	2. सिकन्दराबाद का कम्पनी सर्किल हैदराबाद ।	
	3. कम्पनी सर्किल (पुराना), हैदराबाद ।	
	4. विशेष सर्किल-I, हैदराबाद ।	
	5. विशेष सर्किल-II, हैदराबाद ।	
	6. विशेष सर्किल, हैदराबाद ।	
	7. केन्द्रीय सर्किल, हैदराबाद ।	
	8. केन्द्रीय सर्किल, (पुराना) हैदराबाद ।	
2क-रेंज, हैदराबाद	1. सर्किल-II, हैदराबाद ।	
	2. सर्किल-II, (पुराना), हैदराबाद ।	
	3. सर्किल-III, हैदराबाद ।	
	4. वेतन सर्किल, हैदराबाद ।	

1	2	3
3 ख-रेंज, हैदराबाद	1. सकिल-I, हैदराबाद। 2. परियोजना सकिल, हैदराबाद। 3. कोथामुडम। 4. वारंगल सकिल। 5. एम० पी० पी० सकिल, हैदराबाद। 6. करीमनगर। 7. खम्माम। 8. निरमाल। 9. सांगारेड्डी।	
4. विशाखापत्तनम रेंज, विशाखापत्तनम	1. विशाखापत्तनम। 2. विजयानगरम सकिल। 3. श्री काकलम। 4. बाबिली (पुराना) 5. अनाकापल्ली। 6. सकिल-I, काकीनाड़ा। 7. सकिल-II, काकीनाड़ा। 8. रामचन्द्रपुरम (पुराना)। 9. काकीनाड़ा (पुराना)। 10. धमलगुप्पम। 11. राजाहमुन्दरी।	
5. विजयवाड़ा रेंज, विजयवाड़ा	1. पालाकोल। 2. विजयवाड़ा। 3. मछलीपटम। 4. एलुरु। 5. टानुकू।	
6. गुन्तूर रेंज, गुन्तूर	1. गुन्तूर। 2. नैल्लोर। 3. माइका सकिल, नैल्लोर। 4. कुरजल। 5. नांदयाल। 6. अयोनी। 7. टेनाली। 8. बायटला। 9. कुदीवाड़ा।	
7-अनन्तपुर रेंज, अनन्तपुर।	1. अनन्तपुर। 2. हिन्तूर। 3. चित्तूर। 4. तिरुपति। 5. महबूबनगर। 6. प्रोसूर। 7. कुडप्पा।	

जहाँ इस अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर सकिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरी रेंज को अन्तर्गत हो गया हो वहाँ उस आय-कर सकिल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणाम स्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सकिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष सम्बन्ध थी, इस अधिसूचना के प्रभावी होने

की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त सकिल वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तर्गत कर दी जाएगी जो उनके संबंध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1973 से प्रभावी होगी।

[सं० 372(फा० सं० 261/12/73-आई टी जे)]

S. O. 3380—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) and all other powers enabling it in that behalf and in modification of Notification No. 155(F.No. 261/18/72-ITJ) dated 11-8-1972, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the Ranges specified in Column (2) of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and income assessed to Income-tax or Super-tax or Wealth-tax or Gift Tax or Expenditure Tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in corresponding entry in column (3) thereof, excepting those that have been specifically allotted to the Appellate Controller of Estate duty, Hyderabad by Notification No. 371 (F. No. 261/12/73-ITJ) dated 8-6-1973 and the appeals specifically transferred (1) from the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax Vijayawada Range to the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax Gunture Range, by Order No. 150 (F.No. 262/183/71-ITJ) dated 17-8-1971 (2) from the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax 'B' Range, Hyderabad to the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax A-Range, Hyderabad by Order No. 48 (F.No. 262/26/72-ITJ) dated 22-3-1972 and (3) from the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax Vijayawada Range to the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax Special Range, Hyderabad by Order No. 84 (F.No. 262/48/72-ITJ) dated 14-4-1972 as amended by Order No. 145 (F.No. 262/48/72-ITJ) dated 11-8-1972 :

SCHEDULE

Sl. No.	Appellate Assistant Commissioner's Range.	Income-tax Circle, Ward and District.
1	2	3
1.	Special Range, Hyderabad.	1. Company Circle, Hyderabad. 2. Company Ward of Secunderabad Circle, Hyderabad. 3. Company Circle (Old), Hyderabad. 4. Special Circle-I, Hyderabad. 5. Special Circle-II, Hyderabad. 6. Special Circle, Hyderabad. 7. Central Circle, Hyderabad. 8. Central Circle (Old) Hyderabad.
2.	A-Range, Hyderabad.	1. Circle-II, Hyderabad. 2. Circle II (Old), Hyderabad. 3. Circle-II, Hyderabad. 4. Salary Circle, Hyderabad.
3.	B-Range, Hyderabad.	1. Circle-I, Hyderabad. 2. Project Circle, Hyderabad. 3. Kothagudem. 4. Warangal Circle. 5. M.P.P. Circle, Hyderabad. 6. Karimnagar. 7. Khammam. 8. Nirmal. 9. Sangareddy.

1	2	3
4. Visakhapatnam Range, Visakhapatnam.	1. Visakhapatnam. 2. Vizianagaram Circle. 3. Srikakulam. 4. Bobbili (Old). 5. Anakapalli. 6. Circle-I, Kakinada. 7. Circle-II, Kakinada. 8. Ramachandrapuram (Old). 9. Kakinada (Old). 10. Amalapuram. 11. Rajahmundry.	
5. Vijayawada Range, Vijayawada.	1. Palacole. 2. Vijayawada. 3. Machilipatam. 4. Eluru. 5. Tanuku.	
6. Guntur Range, Guntur.	1. Guntur. 2. Nellore. 3. Mica Circle, Nellore. 4. Kurnool. 5. Nandyal. 6. Adoni. 7. Tanali. 8. Bapatla. 9. Cudivada.	
7. Anantapur Range, Anantapur.	1. Anantapur. 2. Hindupur. 3. Chittoor. 4. Tirupathi. 5. Mahaboobnagar. 6. Proddatur. 7. Cuddapah.	

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range from which the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred, shall from the date this Notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range, to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification, shall take effect from 1st July, 1973.

EXPLANATORY NOTE

The amendments have become necessary on account of reallocation of jurisdiction of the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax in the Charges of Andhra Pradesh. (This note does not form a part of the Notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 372(F. No. 261/12/73--ITJ)]

का०आ० 3381-(i) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (i) और धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 9 की उपधारा (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उस निमित्त उसको समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अधिसूचना संख्या 156 (फा० सं० 261/18/72 आई टी जे) तारीख 11-8-1972 के उपान्तरित करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर

बोर्ड निवेश देता है कि सम्पदा-शुल्क नियन्त्रक (अपील), हैदराबाद के रूप में नियुक्त सहायक आयुक्त (अपील), सम्पदा-शुल्क नियन्त्रक (अपील) हैदराबाद के कृत्य के साथ साथ निजामाबाद सर्किल में आयकर अधिकार, दान-कर, धन-कर और व्यय-कर के लिए निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों की बाबत और नीचे के स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट आयकर, सर्किलों, वार्डों और जिलों में आयकर से भिन्न प्रत्यक्ष-करों अर्थात् दानकर, धनकर और व्ययकर के लिए निर्धारित सभी व्यक्तियों के बारे में सहायक आयुक्त (अपील) के उन कृत्यों का भी पालन करेंगे, जिन कृत्यों का पालन स्तम्भ 2 में लिखित सहायक आयुक्त (अपील) नहीं करेगा :-

अधिसूची

क्रम सहायक आयुक्त सं० (अपील) की रेंज	आय-कर सर्किल, वार्ड/जिला	
1	2	3
1. क-रेंज, हैदराबाद		1-सर्किल-II हैदराबाद । 2-सर्किल-II (पुराना), हैदराबाद 3-सर्किल III, हैदराबाद 4-वेतन सर्किल, हैदराबाद ।
1. ख-रेंज, हैदराबाद ।		1-सर्किल-I, हैदराबाद ।

जहां इस अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरी रेंज को अन्तरित हो गया हो वहां उस आय-कर सर्किल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे वह आयकर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष लम्बित थी, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित कर दी जाएगी जो उनके संबंध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1973 से प्रभावी होगी।

[सं० 371 (फा० सं० 261/12/73-आई टी जे)]

S.O.3381.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and (ii) section 9 of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) and of all other powers enabling it in that behalf and in modification of Notification No.156 (F.No.261/18/72-ITJ) dated 11-8-1972, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioner appointed to be an Appellate Controller of Estate Duty, Hyderabad, shall in addition to the functions of Appellate Controller of Estate Duty, Hyderabad also perform the functions of Appellate Assistant Commissioner in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax, Super-tax, Gift Tax, Wealth Tax and Expenditure Tax in the Nizamabad Circle, and in respect of all persons assessed to Direct Taxes other than Income-tax, viz., Gift-tax, Wealth-tax and Expenditure tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in Column 3 below, which functions the Appellate Assistant Commissioner noted in column 2, shall not perform.

SCHEDULE

Sl.No.	Appellate Assistant Commissioner's Range.	Income-tax Circle, Ward, District.
1	2	3
1. A-Range, Hyderabad.	1. Circle-II, Hyderabad. 2. Circle-II (Old), Hyderabad. 3. Circle-III, Hyderabad. 4. Salary Circle, Hyderabad.	
1. B-Range, Hyderabad.	1. Circle-I, Hyderabad.	

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range from which the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall, from the date of this Notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1st July, 1973.

EXPLANATORY NOTE

The amendments have become necessary on account of re-allocation of jurisdiction of the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax in the Charges of Andhra Pradesh. (This note does not form a part of the Notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 371 (F.No.261/12/73-ITJ)]

का. आ. 3382.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उसे इस निमित्त समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड समय-समय पर यथासंशोधित, अपनी अधिसूचना सं. 49 (261/13/72-आई टी जे) तारीख 4-3-1972 से उपाबद्ध अनुसूची में निम्नीलिखित संशोधन करता है, अर्थात् :

उक्त अनुसूची में, 'आसनसोल रेंज' आसनसोल को 'क-रेंज', आसनसोल के रूप में पुनः अभिहित किया जायेगा और इस रेंज के सामने की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नीलिखित रखी जायेंगी :—

"क-रेंज, आसनसोल" आसनसोल के सामने :—

1. आयकर सर्किल, आसनसोल (क, ख और ग वार्ड)
2. आयकर सर्किल, बंकुरा-पुरुलिया (अतिरिक्त क और ख वार्ड) उसके पश्चात् निम्नीलिखित जोड़े जायेंगे :—

"ख-रेंज, आसनसोल," आसनसोल :—

1. आयकर सर्किल, आसनसोल (क, ख और ग वार्ड से भिन्न)
2. आयकर सर्किल, बंकुरा-पुरुलिया (क-वार्ड)

यह अधिसूचना 1-7-73 से प्रभावी होगी ।

[सं. 369 (फा. सं. 61/9/73-आई टी जे)]

S.O. 3382.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and of all other powers enabling it in that behalf the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to the Schedule appended to its Notification No. 49 (261/13/72-ITJ) dated 4-3-1972 as amended from time to time, viz :

In the said Schedule 'Asansol Range' Asansol shall be re-designated as 'A'-Range, Asansol and the entries against this Range shall be substituted by the following :—

Against 'A' Range, Asansol', Asansol :—

1. I.T. Circle, Asansol (A, B, & C Wards)
2. I.T. Circle, Bangura-Purulia (Addl. A & B Wards)

After that the following shall be added :—

'B-Range, Asansol', Asansol :—

- 1 I.T. Circle, Asansol (Other than A, B, and C Wards).
- 2 I.T. Circle, Bankura-Purulia (A-Ward).

This Notification shall take effect from the 1-7-73.

EXPLANATORY NOTE

The amendment has become necessary on account of creation of one more Range in the mofussil charge of Asansol and consequent revision of Appellate Assistant Commissioner's Jurisdiction in West Bengal Charge. (This does not form a part of the Notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 369 (F. No. 261/9/73-ITJ)]

नई दिल्ली, 25 जून, 1973

का०आ० 3383—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में सभी पूर्वतन अधिसूचनाओं को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड निवेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आयकर आयुक्त (अपील) उसके स्तम्भ 3 में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों, वार्डों और जिलों में आयकर या अधिपर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

क्रम	रेंज	आय-कर सक्ति, वार्ड और जिले
1	2	3
1. विशेष रेंज, कटक	(i) केन्द्रीय सक्ति, कटक । (ii) विशेष सक्ति, कटक । (iii) सम्पदा-शुल्क सक्ति, कटक । (iv) वार्ड-क (कम्पनी), कटक । वार्ड ख (राजस्व), कटक । वार्ड ग (राजस्व), कटक । (v) वार्ड क (कम्पनी) भुवनेश्वर ।	

(1)	(2)	(3)
2. कटक रेंज, कटक।	(i) कटक सर्किल के वार्ड-क (कम्पनी) वार्ड-ख (राजस्व) और वार्ड-ग (राजस्व) को छोड़कर, कटक सर्किल	
	(ii) धेनकनाल सर्किल।	
	(iii) बालासोर सर्किल।	
	(iv) बेरीपाड़ा सर्किल।	
3. बेरहामपुर रेंज, बेरहामपुर।	(i) बेरहामपुर सर्किल।	
	(ii) जैपूर सर्किल।	
	(iii) तिलिगाढ़ सर्किल।	
	(iv) बालागौर सर्किल।	
	(v) पुरी सर्किल।	
	(vi) वार्ड-ख (वेतन) भुवनेश्वर सर्किल।	
4. रूरकेला रेंज, रूरकेला।	(i) साम्बलपुर सर्किल।	
	(ii) झारसूगुड़ा सर्किल।	
	(iii) रूरकेला सर्किल।	

जहाँ तक अधिसूचना द्वारा कोई आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरी रेंज को अन्तर्गत हो गया हो वहाँ उस आय-कर सर्किल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गए निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे वह आय-कर सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष लम्बित थी, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तर्गत कर दी जाएगी जो उनके संबंध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 2 जुलाई, 1973 से प्रभावी होगी।

[सं० 391 (फा० सं० 261/10/73—आई० टी० जे०)]

सी. वी. पद्मनाभन, अवर सचिव

New Delhi, the 25th June, 1973.

S. O. 3383—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all previous Notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Ranges specified in column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards or Districts specified in the corresponding entry in column 3 thereof :—

SCHEDULE

Sl.No.	Range	Income-tax Circle, Wards or Districts
(1)	(2)	(3)
1. Special Range, Cuttack.	(i) Central Circle, Cuttack.	
	(ii) Special Circle, Cuttack.	
	(iii) Estate Duty Circle, Cuttack.	
	(iv) Ward-A (Companies), Cuttack.	
	(v) Ward-B (Revenue), Cuttack.	
	(vi) Ward-C (Revenue), Cuttack.	
	(vii) Ward-A (Companies), Bhubaneswar.	

(1)	(2)	(3)
2. Cuttack Range, Cuttack.	(i) Cuttack Circle excluding Ward-A (Companies), Ward-B (Revenue) and Ward-C (Revenue) of Cuttack Circle.	
	(ii) Dhenkanal Circle.	
	(iii) Balasore Circle.	
	(iv) Baripada Circle.	
3. Berhampur Range, Berhampur.	(i) Berhampur Circle.	
	(ii) Jeypore Circle.	
	(iii) Titilagarh Circle.	
	(iv) Balangir Circle.	
	(v) Puri Circle.	
	(vi) Ward-B (Salaries) Bhubaneswar Circle.	
4. Rourkela Range, Rourkela.	(i) Sambalpur Circle.	
	(ii) Jharsuguda Circle.	
	(iii) Rourkela Circle.	

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall, from the date this Notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

EXPLANATORY NOTE

This amendment has become necessary due to abolition of Bhubaneswar Range of Appellate Assistant Commissioner and the consequential redistribution of workload among the remaining Appellate Assistant Commissioners of Income-tax.

(The above note does not form part of the Notification but is intended to be merely clarificatory).

This Notification shall take effect from 2nd July, 1973.

[No. 391 (F. No. 261/10/73-ITJ)]

C.V. PADMANABHAN
Under Secy

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1973

आय-कर

का. आ. 3384.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निर्वेश देता है कि जयपुर स्थित केन्द्रीय सर्किल के बारे में कृत्य आयकर आयुक्त, दिल्ली (केन्द्रीय) नई दिल्ली की अधिकारिता से आय-कर आयुक्त, राजस्थान, जयपुर की अधिकारिता में अन्तर्गत हो जायेंगे।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1973 से प्रभावी होगी।

[सं. 442 (फा. सं. 187/23/72-आई टी (ए आई))]

बी. वी. श्रीनिवासन, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd August, 1973

INCOME-TAX

S.O. 3384.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the functions in respect of the Central Circles at Jaipur shall stand transferred from the jurisdiction of the Commissioner of Income-tax, Delhi (Central), New Delhi to the

jurisdiction of the Commissioner of Income-tax, Rajasthan, Jaipur.

This notification shall take effect from 1st September, 1973.

[No. 442 (F. No. 187/23/72-IT(AI)]

V. B. SRINIVASAN, Under Secy.

बाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1973

(रबड़ नियन्त्रण)

का. आ. 3385.—रबड़ नियम, 1955 के नियम 3 के उप नियम (3), तथा नियम 4 के उप-नियम (2) के साथ पठित, रबड़ अधिनियम, 1947 (1947 का 24) की धारा 4 की उपधारा (3) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह अधिसूचित करती है कि प्लान्टेशन कार्पोरेशन आफ केरल लि., कोट्टायम, केरल के प्रबन्ध निदेशक श्री बी. सुकुमारन नायर, आई. एफ. एस. को 4 मार्च, 1972 के अप-राहून से श्री जी. मोनी, आई. एफ. एस. के स्थान पर रबड़ बोर्ड के सदस्य के रूप में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए केरल सरकार द्वारा मनोनीत किया गया है और यह भारत सरकार के विदेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 1748 दिनांक 22 अप्रैल, 1971 में निम्नलिखित संशोधन करती है :

उक्त अधिसूचना में क्रमांक 2 के सामने विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नोक्त प्रविष्टि की जाए, अर्थात् :—

“(2) श्री बी. सुकुमारन नायर, आई. एफ. एस. प्रबंध निदेशक प्लान्टेशन कार्पोरेशन आफ केरल लि., कोट्टायम, केरल।”

एस. महादेव, अवर सचिव

एस महादेव अय्यर, अवर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 27th November, 1973

(RUBBER CONTROL)

S.O. 3585.—In exercise of the powers conferred by clause (c) of sub-section (3) of section 4 of the Rubber Act, 1947, (24 of 1947), read with sub-rule (3) of rule 3, and sub-rule (2) of rule 4, of the Rubber Rules, 1955, the Central Government hereby notifies that Shri V. Sukumaran Nair, I.F.S., Managing Director, Plantation Corporation of Kerala Limited, Kottayam, Kerala has been nominated by the Government of Kerala to represent that State as a member of the Rubber Board, vide Shri G. Moni, I.F.S., with effect from the afternoon of 4th March, 1972 and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Foreign Trade, No. S.O. 1748, dated the 22nd April, 1971, namely :—

In the said notification, against Serial No. 2, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“(2) Shri V. Sukumaran Nair, I.F.S., Managing Director, Plantation Corporation of Kerala Limited, Kottayam, Kerala”.

[F. No. 25012/3/71-Plant(B)]

S. MAHADEVA IYER, Under Secy.

(आंतरिक व्यापार विभाग)

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1973

का. आ. 3386.—केन्द्रीय सरकार, दी कानपुर कमीडिटी एक्सचेंज लि. कानपुर द्वारा मान्यता के पुनर्वीकरण के लिए अग्रिम संविधा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा

5 के अधीन विद्यमान आवेदन पर, बायदा बाजार आयोग से परामर्श करके, विचार कर लेने पर, और अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एक्सचेंज को गृह की अग्रिम संविदाओं की बाबत 28 नवम्बर 1973 से लेकर 25 नवम्बर, 1974 तक (जिसमें वे दोनों दिन सम्मिलित हैं), एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधीन है कि उक्त एक्सचेंज बायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर विद्यमान वाले निदेशों का अनुपालन करेगी।

[सं. 12(19)-आई. टी./73]

यू. एस. राणा, संयुक्त निदेशक

(Department of Internal Trade)

New Delhi, the 27th November, 1973

S.O. 3386.—The Central Government, in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Kanpur Commodity Exchange Ltd., Kanpur, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest to do so, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year from the 26th November, 1973 upto the 25th November, 1974 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(19)-IT/73.]

U. S. RANA, Joint Director

(मुख्य निबंधक आयात-निर्यात का कार्यालय)

आयदा

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1973

का. आ. 3387.—सर्वश्री हिन्दुस्तान लेटैक्स लि., मयूर भवन, कनाट प्लेस, नई दिल्ली-1 को 1,17,350 रु. (एक लाख सत्तर हजार तीन सौ पचास रुपये मात्र) के लिए एक आयात लाइसेंस सं. आई/ए/1040778/सी/एक्स एक्स/40/एच/33-34 दिनांक 28-8-71 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है। यह भी उल्लेख किया गया है कि मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति मद्रास में सीमा-शुल्क प्राधिकारियों से पंजीकृत कराई गई थी और उसका उपयोग पूर्णरूपेण कर लिया था। यह 1,16,250/- रुपये के लिए उपयोग की गई थी और इस पर 1100/- रुपये का उपयोग करना शेष था।

2. इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। तदनुसार, मैं संतुष्ट हूँ कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति खो गई है। इसलिए, यथासंशोधित आयात (निबंधन) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की उपधारा 9 (सी सी) द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री हिन्दुस्तान लेटैक्स लि., नई दिल्ली को जारी किए गए लाइसेंस सं. आई/ए/1040778/

सी/एक्स एक्स/40/एच/33-34 दिनांक 28-8-71 की उक्त मूल सीमा-शुल्क निकासी प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

3. उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि लाइसेंसधारी को अलग से जारी की जा रही है।

[फा. सं. य. ही./40-एच/71-72/पी. एल. एस.(ए)]

सरदूल सिंह, उप-मुख्य नियंत्रक

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

ORDER

New Delhi, the 1st November, 1973

S.O. 3387.—M/s. Hindustan Latex Ltd., Mayur Bhawan, Connaught Place, New Delhi-1, were granted an import licence No. I/A/1046778/C/XX/40/H/33.34 dated 28-8-71 for Rs. 1,17,350 (Rupees One lakh, seventeen thousand, three hundred and fifty only). They have applied for the issue of a duplicate Customs Purposes copy of the said licence on the ground that the original Customs Purposes copy has been lost/misplaced. It is further stated that the original Customs Purposes copy was registered with the Customs authorities at Madras and utilised fully. It was utilised for Rs. 1,16,250 and the balance available on it was Rs. 1,100.

2. In support of this contention the applicant has filed an affidavit. I am accordingly satisfied that the original Customs Purposes copy of the said licence has been lost. Therefore in exercise of the powers conferred under Sub-clause 9(cc) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-55 as amended the said original Customs Purposes copy of licence No. I/A/1046778/C/XX/40/H/33.34 dated 28-8-71 issued to M/s. Hindustan Latex Ltd., New Delhi is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs Purposes copy of the said licence is being issued separately to the licensee.

[File No. UD/40-H/71-72/PLS(A)]

SARDUL SINGH, Dy. Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 1973

फा. आ. 3388.—यथासंशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा-9 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा सर्वश्री फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इंडिया लि. योजना तथा विकास प्रभाग, सी आई एफ टी बिल्डिंग, डाकघर सिन्दरी, जिला धनबाद, बिहार को 35,24,500/- रुपये (पैंतीस लाख चौबीस हजार पांच सौ रुपये मात्र) के लिए इटली संभरक क्रेडिट के अन्तर्गत जारी किये गये आयात लाइसेंस सं. आई/सी/2063868/डी/आई ई/43/एच/35-36 दिनांक 5-6-72 की सीमाशुल्क निकासी प्रति को रद्द करता है। मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति का उपयोग किसी भी धन राशि के लिए नहीं किया गया था।

2. रद्द करने का कारण यह है कि लाइसेंस सीमा-शुल्क निकासी प्रति लाइसेंसधारी से खो गई/अस्थानस्थ हो गई जिन्होंने उसके बदले में लाइसेंस की अनुलिपि जारी करने के लिए आवेदन किया था।

[संख्या/सी जी 2/पी एन्ड सी (10)/72-73]

ORDERS

New Delhi, the 26th November, 1973

S.O. 3388.—In exercise of the powers conferred by clause 9 of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended, the undersigned hereby cancels the Customs Purposes Copy of the Import Licence No. I/C/2053868/D/IE/43/H/35-36 dated 5-6-1972 issued under Italian Suppliers Credit for Rs. 35,24,500 (Rupees Thirty Five Lakhs,

Twenty Four Thousand and Five Hundred only) issued to Messrs Fertilizer, Corporation of India Limited, Planning & Development Division, CIFT Building, P.O. Sindri, District Dhanbad, Bihar. The original Customs Purposes Copy of the licence was utilised for Rs. Nil.

2. The reason for the cancellation is that the Customs Purposes Copy of the licence has been lost/misplaced by the licensee who had requested for the issue of a duplicate licence in lieu thereof.

[No. CG II/P&C(10)/72-73]

आदेश

फा. आ. 3389.—यथासंशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा सर्वश्री फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इंडिया लि. योजना तथा विकास प्रभाग, सी आई एफ टी बिल्डिंग, डाकघर सिन्दरी, जिला धनबाद, बिहार को 35,24,500/- रुपये (पैंतीस लाख चौबीस हजार पांच सौ रुपये मात्र) के लिए इटली संभरक क्रेडिट के अन्तर्गत जारी किये गये आयात लाइसेंस सं. आई/सी/2063867/डी आई ई/43/एच/35-36 दिनांक 5-6-72 की सीमाशुल्क निकासी प्रति को रद्द करता है। मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति का उपयोग किसी भी धनराशि के लिए नहीं किया गया था।

2. रद्द करने का कारण यह है कि लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति लाइसेंसधारी से खो गई/अस्थानस्थ हो गई जिन्होंने उसके बदले में लाइसेंस की अनुलिपि जारी करने के लिए आवेदन किया था।

[संख्या/सी जी 2/पी एन्ड सी (9)/72-73]

एन. सी. कान्जीलाल, उप-मुख्य नियंत्रक,

कृत मुख्य नियंत्रक

ORDER

S.O. 3389.—In exercise of the powers conferred by clause 9 of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended, the undersigned hereby cancels the Customs Purposes Copy of the Import Licence No. I/C/2063867/D/IE/43/H/35-36 dated 5-6-1972 issued under Italian Suppliers Credit for Rs. 35,24,500/ (Rupees Thirty Five Lakhs, Twenty Four Thousand and Five Hundred only) issued to Messrs Fertilizer Corporation of India Limited, Planning & Development Division, CIFT Building, P.O. Sindri, District Dhanbad, Bihar. The original Customs Purposes Copy of the licence was utilised for Rs. Nil.

2. The reason for the cancellation is that the Customs Purposes Copy of the licence has been lost/misplaced by the licensee who had requested for the issue of a duplicate licence in lieu thereof.

[No. CG II/P&C(10)/72-73]

N. C. KANJILAL, Dy. Chief Controller
for Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 16 नवम्बर, 1973

फा. आ. 3390.—श्री रण बीर सिंह सरण, उप-मंडल अभियन्ता, लोक-निर्माण विभाग, बी एन्ड थार शाखा, पलवल को-32 बोर रिवाल्वर के आयात के लिये 760 रुपये का एक सीमाशुल्क निकासी परमिट संख्या : पी/जे/3041098/एन/एमएन/44/एच/35-36, दिनांक 5-9-1972 प्रदान किया गया था। उन्होंने सीमाशुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि के लिये हम

आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट खो गया है। आगे यह बताया गया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट किसी सीमाशुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं कराया गया था और उसका उपयोग नहीं किया गया था। इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट संख्या : पी/जे/3041098, दिनांक 5-9-1972 को खो गया है और निदेश देती हूँ कि आवेदक को एक अनुलिपि सीमाशुल्क निकासी परमिट जारी की जानी चाहिये। मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट को रद्द किया जाता है।

[संख्या 315-4/आर-72/एएम-73/एडहॉक/829]

एस० के० उस्मानी, उप-मुख्य नियंत्रक,

ORDER

New Delhi, the 16th November, 1973

S.O. 3390.—Shri Ranbir Singh Saran, sub-Divisional Engineer P.W.D. B&R Branch, Palwal was granted a CCP No. P/J/3041098[N/MN/44/H/35-36 dated the 5th September, 1972 for the import of a .32 Bore Revolver worth Rs. 760. He has applied for a duplicate copy of the C.C.P. on the ground that the original C.C.P. has been lost. It is further stated that the original C.C.P. was not registered with any Customs House and not utilised. In support of this contention he has filed an affidavit. I am satisfied that the original CCP No. P/J/3041098 dated the 5th September, 1972 has been lost and direct that a duplicate C.C.P. should be issued to the applicant. The original C.C.P. is cancelled.

[No. 315-IV/R-72/AM73/Adhoc/829]

S. K. USMANI, Dy. Chief Controller

(संयुक्त सत्य-नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय)

आदेश

बम्बई, 4 जुलाई, 1973

क्रा० आ० 3391.—सर्वश्री ओशन इलेक्ट्रिक कं०, बम्बई को निम्नलिखित शर्तों के अधीन (1) फास्फर ब्रॉन्ज़ शीट्स तथा (2) 18 एम०एम० से भिन्न माप की पीतल की पाइपों तथा ट्यूबों के आयात के लिये लाइसेंस संख्या पी/एस/1746496, दिनांक 5-11-1971 मूल्य 4,543 रु० तथा पी/एस/1746497, दिनांक 5-11-1971 मूल्य 2,271 रु० स्वीकृत किये गये थे:—

“यह लाइसेंस इस शर्त के अधीन जारी किया जाता है कि इसके अन्तर्गत आयातित माल की सभी मर्दों का उपयोग लाइसेंसधारी के कारखाने में जिसका पता आवेदनपत्र में दिया गया है और जिसके मद्दे लाइसेंस जारी किया गया है और जिस उद्देश्य की पूर्ति के लिये लाइसेंस जारी किया गया है, उपयोग किया जायेगा या अन्य निर्माणकर्ता एकक के कारखाने में संशोधित किया जा सकता है, किन्तु इसके किसी भी भाग को अन्य किसी पार्टी को बेचा नहीं जायेगा अथवा अन्य किसी रूप में प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जायेगी। लेकिन, अन्य किसी के कारखाने में संसाधित किये गये ऐसे माल का प्रयोग लाइसेंसधारी द्वारा लिये गये निर्माण प्रक्रिया प्रयोजन के लिये ही किया जायेगा। लाइसेंसधारी लाइसेंस के मद्दे आयातित माल के उपयोग और उपयोग का निर्धारित विधि अनुसार उपयुक्त लेखा रखेगा और ऐसे लेखों को लाइसेंस प्राधिकारी, प्रायोजक प्राधिकारी या अन्य किसी सम्बद्ध प्राधिकारी को उनके द्वारा निर्धारित समय के भीतर ही प्रस्तुत करेगा।”

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना सं० 1/3/73/एयू/इन्फ, दिनांक 16-4-1973 यह पूछते जारी की गई थी कि 15 दिनों के भीतर कारण बतायें कि उनके नाम में जारी किये गये उपर्युक्त लाइसेंसों को

क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिये और उन्हें इस आधार पर क्योंकि जिस उद्देश्य की पूर्ति के लिये लाइसेंस जारी किये गये थे उसे वे पूरा नहीं करेंगे और चूंकि उन्होंने उस समय जबकि उनके एकक का निरीक्षण उद्योग आयुक्त, बम्बई के अधिकारियों द्वारा किया गया था, रिकार्डों को प्रमाणोत्तरण के लिये प्रस्तुत नहीं किया था।

3. उपर्युक्त कारण बताओ सूचना के जवाब में सर्वश्री ओशन इलेक्ट्रिक कं०, बम्बई-69 ने कोई उत्तर नहीं दिया जबकि उपर्युक्त कारण बताओ सूचना उनके द्वारा 19-4-1973 को प्राप्त हो गई थी। उन्होंने कारण बताओ सूचना में व्यक्तिगत सुनवाई के लिये दिये गये मोके का भी लाभ नहीं उठाया था।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भलीभांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि विषयाधीन लाइसेंस जिस उद्देश्य की पूर्ति के लिये जारी किये गये हैं उसे वे पूरा नहीं करेंगे।

5. पूर्व की कंडिका में जो बताया गया है उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अन्वया रूप से अप्रभावित किये जाने चाहिये। इसलिये अधोहस्ताक्षरी आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9 उप-धारा (सीसी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर सर्वश्री ओशन इलेक्ट्रिक कं०, बम्बई के नाम जारी किये गये लाइसेंस संख्या : पी/एस/1746496 तथा पी/एस/1746497 दोनों का दिनांक 5-11-1971 है और उनका मूल्य क्रमशः 4543 रु० तथा 2271 रु० है, उन्हें एतद्वारा रद्द करता है।

[संख्या 1/13/73/एयू/इन्फ]

(Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

Bombay, the 4th July, 1973

S.O. 3391.—Licences Nos. P/S/1746496 dated 5-11-71 for Rs. 4,543/- and P/S/1746497 dated 5-11-1971 for Rs. 2,271 for import of (1) Phosphor Bronze sheets and (2) Brass pipes and tubes of sizes other than 18 m.m. were issued to M/s. Ocean Electric Co., Bombay-69 subject to the conditions as under:—

“This licence is issued subject to the condition that all items of goods imported under it shall be used only in the licence holder's factory at the address shown in the application against which the licence is issued and for the purpose for which the licence is issued or may be processed in the factory of another manufacturing unit but no portion thereof shall be sold to any other party or utilised or permitted to be used in any other manner. The goods processed in another factory shall, however be utilised in the manufacturing processes undertaken by the licensee. The licensee shall maintain a proper account of consumption and utilisation of the goods imported against the licence in the prescribed manner and produce such account to the licensing authority, sponsoring authority or any other authority concerned within such time as may be specified by such time as may be specified by such authority.”

2. Thereafter, a show cause notice No. 1/13/73/AU/Enf dated 16-4-1973 was issued asking them to show cause within 15 days as to why the said licences in their favour should not be cancelled in terms of Clause 9, sub-clause (cc) on the ground that they will not serve the purpose for which they were issued as they have not produced the records for verification when their unit was inspected by officers of the Industries Commissioners, Bombay.

3. In response to the aforesaid show cause notice, M/s. Ocean Electric Co., Bombay-69 have not given any reply even to the show cause notice acknowledged by them on 19-4-1973. They have also not availed of the opportunity for personal hearing which was afforded to them in the said show cause notice.

4. The undersigned has carefully examined the matter and has come to the conclusion that the licences in question will not serve the purpose for which they have been issued.

5. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph, the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (cc) of Imports (Control) Order, 1955 hereby cancel the licences P/S/1746496 and P/S/1746497 both dated 5-11-1971 for Rs. 4543 and Rs. 2271 respectively issued in favour of M/s. Ocean Electric Co., Bombay.

[No. 1/13/73/AU/Enf]

आवेश

बम्बई, 4 अक्टूबर, 1972

क्रा०प्रा० 3392—सर्वश्री. श्रीनाथ कैमिकल्स, 20-पैगनिस पेगा, इन्दौर, मध्य प्रदेश को उत्तम रसायनों के विनिर्माण के लिये कच्चे माल के आयात के लिये लाइसेंस सं० पी/ए/1691140, (2) पी/एस/1691141 और (3) पी/एस/1691142 तीनों का दिनांक 6-4-1971 क्रमशः 32,500/- रुपये, 16,250/- रुपये और 16,250/- रुपये के लिये निम्नलिखित शर्तों के अधीन जारी किये गये थे :—

“यह लाइसेंस इस शर्तों के अधीन जारी किया जाता है कि इस के अधीन आयात किये जाने वाले माल का उपयोग केवल लाइसेंस-धारी के उस कारखाने में किया जायेगा जिस का पता उस आवेदन पत्र में दिखाया गया है जिसके आधार पर लाइसेंस जारी किया गया है और माल का उपयोग उसी उद्देश्य के लिये किया जायेगा जिस के लिये लाइसेंस जारी किया गया है या वह माल अन्य विनिर्माण करने वाले एकक के कारखाने में संगोषित किया जा सकता है, परन्तु उस का कोई भाग किसी अन्य पक्ष को नहीं बेचा जायेगा या उसके द्वारा उपयोग किया जायेगा या किसी अन्य तरीके से प्रयोग करने की अनुमति दी जायेगी। लेकिन अन्य कारखाने में इस प्रकार समाहित किया गया माल लाइसेंस-धारी द्वारा निर्मित संसाधन-विनिर्माण में उपयोग किया जायेगा। लाइसेंसधारी लाइसेंस के आधार पर आयात किये गये माल के उपयोग और उपयोग का उचित लेखा निर्धारित तरीके से रखेगा। और ऐसे लेखों को लाइसेंस प्राधिकारी, प्रायोजक प्राधिकारी, या किसी अन्य सम्बद्ध प्राधिकारी को ऐसे समय के भीतर प्रस्तुत करेगा जो ऐसे प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया जाए।”

2 उस के पश्चात् उन को एक कारण निर्देशन नोटिस सं० 1/216/71/ए/एफ/1972 दिनांक 12-5-1972 यह सूचित हुए, जारी किया गया था कि नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बतायें कि उन को जारी किये गये उक्त लाइसेंसों को इस आधार पर रद्द क्यों न कर देना चाहिये क्योंकि वे धारा 9, उप-धारा (ए) और (सी सी) की शर्तों के अनुसार निर्धारित अवधि के भीतर मशीनरी लगाने में असफल रहे थे।

3. श्रीनाथ कैमिकल्स ने कारण निर्देशन नोटिस का उत्तर नहीं दिया है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने ध्यानपूर्वक मामले की जाँच कर ली है और इस निर्णय पर पहुंचा है कि लाइसेंस तथ्यों के सिद्धा निरूपण द्वारा प्राप्त किये गये थे और वे उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं करेंगे जिसके लिये प्रदान किये गये हैं।

5. पिछले पैरा में जो कुछ कहा गया है उसको ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी सतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिये जाने चाहियें या अप्रभावी कर दिये जाने चाहियें। इसलिये अधोहस्ताक्षरी

आयात (नियंत्रण) आवेश, 1955 की धारा 9, उप-धारा (ए) और (सी सी) में प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री श्रीनाथ कैमिकल्स, मध्य प्रदेश को जारी किये गये लाइसेंस सं० पी/एन/1691140, पी/एस/1691141 और पी/एस/1691142 सब का दिनांक 6-4-1971 मूल्य क्रमशः 32,500/- रु०, 16,250/- रु० और 16,250/- रु० को एतद्-द्वारा रद्द करता है।

[संख्या 1/216/71/ए/एफ/एन]

बी० सी० बनेरजी, उप मुख्य नियंत्रक

ORDER

Bombay, the 4th October, 1972

S.O. 3392.—Licences Nos. P/S/1691140, (2) P/S/1691141 and (3) P/S/1691142 all dated 6th April, 1971 for Rs. 32,500, Rs. 16,250 and Rs. 16,250 respectively for import of Raw materials for manufacture of Fine Chemicals were issued to M/s. Shri Nath Chemicals, 20-Pagnis Paga, Indore, Madhya Pradesh subject to the condition as under :—

“this licence is issued subject to the condition that all items of goods imported under it, shall be used only in the licence holder's factory at the address shown in the application against which the licence is issued and for the purpose for which the licence is issued or may be processed in the factory of another manufacturing unit, but no portion thereof shall be sold to any party or utilised or permitted to be used in any other manner. The goods so processed in another factory shall, however, be utilised in the manufacturing process undertaken by the licensee. The licensee shall maintain a proper account of consumption and utilisation of the goods imported against the licence in the prescribed manner and produce such account to the licensing authority, sponsoring authority, or any other authority concerned, within such time as may be specified by such authority”.

2. Thereafter a show cause notice No. 1/216/71/AU/Enf/1972 dated the 12th May, 1972 was issued asking them to show cause within 15 days from the date of receipt of this notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that they had failed to install the machinery within the stipulated period in terms of Clause 9, sub-clause (a) and (cc).

3. Shri Nath Chemicals have not replied to the Show cause notice.

4. The undersigned has carefully examined the case and has come to the conclusion that the licences were obtained by misrepresentation of facts and they will not serve the purpose for which they have been granted.

5. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph, the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under Clause 9 sub clauses (a) and (cc) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancel the licences Nos. P/S/1691140, P/S/1691141 and P/S/1691142 all dated the 6th April, 1971 for Rs. 32,500, Rs. 16,250, and Rs. 16,250 respectively issued in favour of Shri Nath Chemicals, Madhya Pradesh.

[No. 1/216/71/AU/Enf.]

B. C. BENERJEE, Dy. Chief Controller

आवेश

बम्बई, 11 जूलाई, 1973

क्रा०प्रा० 3393.—सर्वश्री फाइन कैमिकल्स (इंडिया), 326-जवाहर मार्ग, इन्दौर, म० प्र० को निम्नलिखित शर्तों के अधीन ब्रोनाइस पोटेसियम बाइकार्बोनेट बेजोइक एसिड खनिज तेल विस्मय धातु तथा निकल बजिन के आयात के लिये लाइसेंस संख्या पी/एस/1709043 दिनांक 29-7-1971 मूल्य 37,500/- रु०, पी/एस/1709044 दिनांक 29-7-1971 मूल्य

18,750 रु० तथा पी/एस/1709045 दिनांक 29-7-1971 मूल्य 18,750 रु० स्वीकृत किये गये थे :—

“यह कि इसके अन्तर्गत आयातित माल की सभी मदों का उपयोग लाइसेंसधारी के कारखाने में जिसका पता आवेदनपत्र में दिया गया है और जिसके मद्दे लाइसेंस जारी किया गया है और जिस उद्देश्य की पूर्ति के लिये लाइसेंस जारी किया गया है, उपयोग किया जायेगा। या अन्य निर्माणकर्ता एकक के कारखाने में संसाधित किया जा सकता है, किन्तु इसके किसी भी भाग को अन्य किसी पार्टी को बेचा नहीं जायेगा या उपयोग नहीं किया जायेगा अथवा अन्य किसी रूप में प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।”

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना सं० 1/12/72/एयू/एफ/533, दिनांक 3-3-1973 यह पृष्ठे हुए जारी की गई थी कि 15 दिनों के भीतर कारण बतायें कि उनके नाम में जारी किये गये उपर्युक्त लाइसेंसों की धारा 9, उप-धारा (सीसी) के अन्तर्गत क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिये और उन्हें इस आधार पर क्योंकि उन्होंने उन सभी प्रस्तावित मशीनों को नहीं लगाया है जिनका उल्लेख उन्होंने आयात आवेदन पत्र में किया है।

3. उपर्युक्त कारण बताओ सूचना के उत्तर में सर्वश्री फाइन कैमिकल्स (इंडिया), इन्दौर, म० प्र० ने अपने पत्र दिनांक 12-3-1972 में विस्तृत कारण भेजे थे और अधोहस्ताक्षरी से व्यक्तिगत सुनवाई के लिये कहा था जिसके लिये उनके प्रतिनिधि को 10-4-1972 को मिलने के लिये अनुमति दे दी गई थी। अपने उपर्युक्त उत्तर में और व्यक्तिगत सुनवाई के समय कर्म ने यह तर्क दिया कि 13,130 रुपये के लिये उन्होंने मशीन लगा ली है और आवेदनपत्र में यथा उल्लिखित शेष मशीनें 3 मास के भीतर लगा दी जायेंगी।

4. अधोहस्ताक्षरी ने उपर्युक्त प्रतिवेदन की भलीभांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि उन्होंने कुछ मशीनें स्थापित नहीं की हैं जो कि निर्माण-प्रक्रिया के लिये अनिवार्य रूप से अपेक्षित हैं। हालांकि कुछ मशीनें मशीनों के संभरक के पास तैयार रखी थीं और यह कि सर्वश्री फाइन कैमिकल्स (इंडिया), इन्दौर इस स्थिति में नहीं है कि स्थापित की गई कुछ मशीनों के साथ फाइन कैमिकल्स का उत्पादन आरम्भ कर सके। इसलिये विषयाधीन लाइसेंस जिस उद्देश्य की पूर्ति के लिये जारी किये गये हैं उसे वे पूरा नहीं करेंगे।

5. पूर्वे की कंडिका में जो कुछ बताया गया है उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी सतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अन्यथा रूप से अप्रभावित किये जाने चाहिये। इसलिये अधोहस्ताक्षरी आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9, उप-धारा (सीसी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर सर्वश्री फाइन कैमिकल्स (इंडिया), इन्दौर के नाम में जारी किये गये लाइसेंस संख्या पी/एस/1709043, पी/एस/1709044 तथा पी/एस/1709045 सभी का दिनांक 29-7-1971 है और उनका मूल्य क्रमशः 37,500/- रु०, 18,750/- रु० तथा 18,750/- रु० है, उन्हें एतद् द्वारा रद्द करना है।

[संख्या 1/12/72 एयू/एफ]

एन० बनर्जी, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

Bombay, the 11th July, 1973

S.O. 3393.—Licences Nos. P/S/1709043 dated the 29th July, 1971 for Rs. 37,500, P/S/1709044 dated the 29th July, 1971 for Rs. 18,750 and P/S/1709045 dated 29th July, 1971 for Rs. 18,750 for import of Bronice, Potassium Bicarbonate, Benzoic Acid Clove Oil, Bismuth Metal and Nickel

Vergin were issued to M/s. Fine Chemicals (India), 326, Jawhar Marg, Indore, M.P. subject to the condition as under:—

“that all items of goods imported under it shall be used only in the licence holder's factory at the address shown in the application against which the licence is issued and for the purposes for which the licence is issued or may be processed in the factory of another manufacturing unit, but no portion thereof shall be sold to any other party or utilised or permitted to be used in any other manner”.

2. Thereafter, a show cause notice No. 1/12/72/AU/Enf/533 dated the 3rd March, 1973 was issued asking them to show cause within 15 days as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that they have not installed all the proposed machinery as mentioned by them in their import application in terms of Clause 9, sub-clause (cc).

3. In response to the aforesaid show cause notice, M/s. Fine Chemicals (India), Indore, M. P. had by their letter dated 12-3-1972 furnished a detailed explanation and had also asked for personal hearing with the undersigned which was allowed to their representative on 10-4-1972. In their said reply and at the time of personal hearing, the firm contended that they have installed machinery worth Rs. 13,130 only and that remaining machines as mentioned in their import application will be installed within three months.

4. The undersigned has carefully examined the said representation and has come to the conclusion that they have not installed some of the machines which are essentially required for the manufacturing process though some of the machines were kept ready by the supplier of the machinery and that M/s. Fine Chemicals (India), Indore are not in a position to start the production of fine chemicals with some of the machines/equipment already installed by them. Hence the licences in question will not serve the purpose for which they have been issued.

5. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (cc) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancel the licences Nos. P/S/1709043, P/S/1709044 and P/S/1709045 all dated the 29th July, 1971 for Rs. 37,500, Rs. 18,750 and Rs. 18,750 respectively issued in favour of M/s. Fine Chemicals (India), Indore.

[No. 1/12/72/AU/Enf.]

N. BANERJI, Dy. Chief Controller

आवेश

बम्बई, 10 अगस्त, 1973

का०प्रा० 3394.—सर्वश्री पेस फेब्रीकेटर्स, ए-4/38, नया बैरागढ़, भोपाल, मध्य प्रदेश को जंगारोधी इस्पात पाइपो और टयूबों के आयात के लिये 3,700/- रुपये मूल्य का लाइसेंस सं० 1715056 दिनांक 12-7-72 निम्नलिखित शर्तों के अधीन जारी किया गया था :—

“यह लाइसेंस इस शर्त के अधीन है कि इस के अधीन आयात किये

गये माल की सभी मदें केवल लाइसेंसधारी के उस कारखाने में उपयोग की जायेंगी जिस का पता उस आवेदनपत्र में दिखाया गया है जिसके आधार पर यह लाइसेंस जारी किया गया है या या वे सवे दूसरे निर्माण करने वाले एकक के कारखाने में संसाधित की जा सकती हैं, परन्तु उन का कोई भी भाग किसी अन्य पक्ष को न तो बेचा जायेगा, न उसके द्वारा उपयोग किया जायेगा, न किसी अन्य तरीके से उपयोग करने की अनुमति दी जायेगी। लेकिन इस प्रकार अन्य कारखाने में संसाधित किया गया माल लाइसेंसधारी द्वारा नियंत्रित निर्माण करने के कार्यों में उपयोग किया जायेगा। लाइसेंसधारी लाइसेंस के आधार पर आयात

किये गये माल के उपभोग और उपयोग का निर्धारित तरीके से उचित लेखा रखेगा और उस लेखे को लाइसेंस-प्राधिकारी या किसी दूसरे सम्बन्ध प्राधिकारी को ऐसे समय के भीतर प्रस्तुत करेगा जो उस प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया जाये।"

2. उस के पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० 1/143/72/ए. यू./एन्फ/2219 दिनांक 13-11-72 (जिस में फर्म का नाम सर्वश्री पेस फेब्रिकेशन लिखा गया था) उनको यह पूछते हुए जारी किया गया था कि 15 दिन के भीतर कारण बतायें कि उन को जारी किये गये उक्त लाइसेंस को धारा 9 उप-धारा (ए) के अनुसार इस आधार पर रद्द क्यों न कर देना चाहिये कि लाइसेंस जालसाजी/मिथ्यानिर्माण द्वारा प्राप्त किया गया था और उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं करेगा जिसके लिये वह जारी किया गया था।

3. यद्यपि उन्होंने कारण निर्देशन नोटिस प्राप्त किया है परन्तु न तो उन्होंने उस का उत्तर देने की परवाह की है और न व्यक्तिगत सुनवाई के लिये ही आये है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने उक्त प्रतिवेदन को ध्यानपूर्वक जाच करली है और इस निर्णय पर पहुँचा है कि लाइसेंस जालसाजी/मिथ्यानिर्माण द्वारा प्राप्त किया गया था और यह उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं करेगा जिस के लिये जारी किया गया था।

5. पिछले पैरा में जो कुछ कहा गया है उस को ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर देना चाहिये या अन्यथा अप्रभावी कर देना चाहिये। इस लिये, अधोहस्ताक्षरी आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1955 की धारा 9 उप-धारा (ए) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री पेस फेब्रिकेटर्स को जारी किये गये 3700/- रुपये मूल्य के लाइसेंस सं० 1715056 दिनांक 12-7-1972 को एतद् द्वारा रद्द करना है।

[संख्या 1/143/72/ए० यू./एन्फ]

बी० सी० बमर्जी, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

Bombay, 10th August, 1973

S.O. 3394.—A licence No. 1715056 dt. 12-7-72 of the value of Rs. 3,700 for the import of Stainless Steel Pipes & Tubes was issued to M/s. Pace Fabricators A-4/38, New Bairagarh, Bhopal, Madhya Pradesh, subject to the conditions as under:—

"This licence is subject to the condition that all items of goods imported under it shall be used only in the licence holder's factory at the address shown in the application against which the licence is issued or may be processed in the factory of another manufacturing unit, but no portion thereof shall be sold to any other party or utilised or permitted to be used in any other manner. The goods so processed in another factory shall, however, be utilised in the manufacturing processes undertaken by the licensee. The licensee shall maintain a proper account of consumption and utilisation of the goods imported against the licence in the prescribed manner and produce such account to the licensing authority, sponsoring authority or any other authority concerned, within such time as may be specified by such authority."

2. Thereafter, a Show Cause Notice No. 1/143/72/AU/Enf/2219 dated 13-11-1972 was issued (name of the firm was shown as M/s. Pace Fabrication in the Show Cause Notice) asking them to show cause within 15 days as to why the said licence in their favour should not be cancelled on the ground that the licence was obtained by fraud misrepresentation and will not serve the purpose for which it was issued, in terms of Clause 9 sub-clause (a).

3. Though they have received the Show Cause Notice, they have not cared to reply to the Show Cause Notice nor appeared for personal hearing.

4. The undersigned has carefully examined the said representation and has come to the conclusion that the licence was obtained by fraud/misrepresentation and it will not serve the purpose for which it was issued.

5. Having regard to what has been stated in the proceeding paragraph the undersigned is satisfied that the licence in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under clause 9, sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancel the licence No. 1715056 dt. 12-7-1972 for Rs. 3700 issued in favour of M/s. Pace Fabricators.

[No. 1/143/72/AU/Enf.]

B. C. BANERJEE, Dy. Chief Controller

संयुक्त मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आदेश

कलकत्ता, 18 सितम्बर, 1973

का. आ. 3395.—भारत के राज्य व्यापार निगम लि. के नामित सर्वश्री बाटा इन्डिया लि., पोतपरिवहन तथा किराया कार्यालय, ए-3, गिलन्डर हाउस, 8, नेताजी सुभाष रोड कलकत्ता-1 को 8,09,296 रुपये जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य के सभी किस्म के 68,261 जोड़े जूतों के डेन्मार्क को निर्यात के लिए एक निर्यात लाइसेंस सं. 017467/52/सी दिनांक 30-12-72 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस खो गया/अस्थानस्थ हो गया है। यह भी बताया गया है कि मूल लाइसेंस कलकत्ता में सीमाशुल्क प्राधिकारियों से पंजीकृत कराया था और उस का उपयोग 27,324 जोड़े जूतों के निर्यात के लिए 1,55,898 रुपये जहाज पर्यन्त निशुल्क की सीमा तक आंशिक रूप में कर लिया था।

अपने तर्क के समर्थन में उपर्युक्त फर्म ने निर्यात व्यापार नियंत्रण नीति तथा क्रियाविधि हेन्डबुक, 1970 के अध्याय 4 के पैरा 54 (2) में यथा अपेक्षित एक शपथपत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस सं. 017467/52/सी दिनांक 30-12-72 (सीमाशुल्क निकासी प्रीति) खो गया/अस्थानस्थ हो गया है।

इसलिए अद्यतन यथासंशोधित निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1968 दिनांक 8 मार्च, 1968 के पैरा 9 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री बाटा इन्डिया लि. (पहले भारत के राज्य व्यापार निगम लि. के नामित सर्वश्री बाटा शू कम्पनी प्रा. लि.), पोत परिवहन तथा किराया कार्यालय, ए-3, गिलन्डर हाउस 8, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता को जारी किए गए लाइसेंस सं. 017467/52/सी दिनांक 30-12-72 को एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

[सं. बी-50/1/72/ई.सी.]

एस. के. मन्डल, उप-मुख्य नियंत्रक,

कृते संयुक्त मुख्य निर्यातक

(Office of the Jt. Chief Controller of Import & Exports)

ORDER

Calcutta, the 18th September, 1973

S.O. 3395.—M/s. Bata India Ltd., nominee of M/s. S.T.C. of India Ltd. Shipping & Passage office, A-3, Gillander House, 8, Netaji Subhas Road, Calcutta-1, were granted Export Licence No. 017467/52/C dated 30-12-72 for export of 1,68,261 Pairs Footwear-all types, valued at Rs. 8,09,296 F.O.B. to Denmark. They have applied for a duplicate copy of the said licence on the ground that the original licence has been lost/misplaced. It is further stated that the original licence was registered with the Customs authorities at Calcutta and was partly

utilised to the extent of Rs. 1,55,898 F.O.B. for export of 27,324 pairs footwear.

In support of their contention, the above firms have filed the necessary Affidavit as required under para 54(ii), Chapter IV of the Export Trade Control Hand Book of Policy & Procedure, 1970. I am satisfied that the original Licence No. 017467/52/C dated 30-12-72 (Customs purpose copy) has been lost/misplaced.

Therefore, in exercise of the powers conferred under para 9 of the Exports (Control) Order, 1968, dated the 8th March, 1968 as amended up-to-date, the Customs Purpose Copy of the Licence No. 017467/52/C dated 30-12-72, issued to M/s. Bata India Ltd. (formerly M/s. Bata Shoe Co. Pvt. Ltd.—Nominee of M/s. State Trading Corporation of India Ltd.), Shipping & Passage Office, A-3, Gillander House, 8, Netaji Subhas Road, Calcutta-1, is hereby cancelled.

[File No. B-50/1/72/EG.]

S. K. MANDAL, Dy. Chief Controller
For Jt. Chief Controller.

संयुक्त-मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात

आदेश

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 1973

का. आ. 3396.—सर्वश्री ओरियन्टल इंडीस्ट्रियल कॉर्पोरेशन, मोहली, जिला रोपड़ को कायल में जस्तेवार पट्टियों के आयात के लिए 28,157 रु. का एक आयात लाइसेंस संख्या पी/यू/2688997/सी, दिनांक 1-1-73 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने आयात नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि हंड बुक 1972-73 की कंडिका 318 जिसमें परिशिष्ट 8 के साथ पट्टों के अन्तर्गत अपेक्षित एक शपथ पत्र दाखिल किया है जिसमें उन्होंने बताया है कि लाइसेंस संख्या पी/यू/2688997/सी, दिनांक 1-1-73 मूल्य 28,157 रु. की सीमा-शुल्क कार्य-संबंधी प्रति बिना पंजीकृत कराये और बिल्कुल उपयोग किये बिना ही खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

2. मैं संतुष्ट हूँ कि उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क कार्य-संबंधी प्रति खो/अस्थानस्थ हो गई है।

3. अद्यतन तथा संशोधित आयात व्यापार नियंत्रण आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9(सी) के अन्तर्गत मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर उपर्युक्त लाइसेंस संख्या पी/यू/2688997/सी, दिनांक 1-1-73 मूल्य 28,157 रु. (केवल सीमा-शुल्क कार्यसंबंधी प्रति) को एतद्वारा रद्द किया जाता है।

4. आवेदक को अब आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रिया-विधि हंड बुक, 1972-73 की कंडिका 318(4) में दी गई व्यवस्थाओं के अनुसार लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क कार्यसम्बन्धी प्रति जारी की जा रही है।

[सं. हैंडी/33/जे एस-72/एस सी-3/सी एल ए/3533]

ए. एल. भल्ला, उप-मुख्य निर्यातक
कृते संयुक्त-मुख्य निर्यातक

(Central Licensing Area)

ORDER

New Delhi, the 13th February, 1973

S.O. 3396.—M/s. Oriental Industrial Corporation, Mohali, Distt. Ropar were granted import licence No. P/U/2688997/C dated 1-1-73 for Rs. 28,157 for import of Galvanised Strips in Coils. They have filed an affidavit as required under para, 318 read with appendix 8 of Import Trade Control Hand Book of Rules & Procedure, 1972-73 wherein they have stated that Customs Purposes copy of licence No. P/U/

2688997 dated 1-1-73 for Rs. 28,157 has been lost/misplaced without having been utilised at all.

2. I am satisfied that the Customs Purposes copy of the said licence have been lost/misplaced.

3. In exercise the powers conferred on me under subject Clause 9(C) in the Import Trade Control Order 1955 dt. 7-12-55 as amended upto date, the said licence No. P/U/2688997 (Customs Purposes copy only) dated 1-1-73 for Rs. 28,157 is hereby cancelled.

4. The applicant is now being issued a duplicate Customs Purposes copy of the licence in accordance with the provisions of para. 318(4) of Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1972-73.

[File No. Handi/33/JS-72/SC-III/CLA]

A. L. BHALLA, Dy. Chief Controller
For. Jt. Chief Controller

औद्योगिक विकास, विज्ञान तथा औद्योगिकी मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 1973

कां.आ. 3397.—आई.डी.आर.ए. 6/5 विकास परिषद् (प्रक्रियात्मक) नियम 1952 के नियम 2, 4 और 5 के साथ पठित उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं. कां. आ.आई.डी.आर.ए. 6/5, तारीख 19 जुलाई, 1973 के क्रम में, केन्द्रीय सरकार उपकरण उद्योग विकास परिषद् की संरचना में निम्नलिखित परिवर्तन करती है :—

1. मैसर्स टेलर इन्स्ट्रुमेंट कम्पनी (इण्डिया) लिमिटेड, 14 सदस्य
मथुरा रोड, फरीदाबाद (हरियाणा) का प्रतिनिधि।
2. डा० हर्षवर्धन, निदेशक, केन्द्रीय वैज्ञानिक उपकरण समन्वय, डा० मंगल के
चण्डीगढ़। स्थान पर
सदस्य।

[सं. 1 ई(1)-3(3)/72]

सी० मलिकार्जुन, प्रवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT,
SCIENCE & TECHNOLOGY

ORDER

New Delhi, the 23rd November, 1973

S.O. 3397.—IDRA/6/5.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) read with Rules 2, 4 and 5 of the Development Councils (Procedural) Rules, 1952 and in continuation of the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No. S.O. IDRA/6/5 dated the 19th July, 1973, the Central Government hereby make the following addition/Change in the composition of the Development Council for Instruments Industry :—

1. Representative of M/s. Taylor Instrument Company (India) Ltd. 14, Mathura Road, Faridabad (Haryana).—Member.
2. Dr. Harshvardhan, Director, Central Scientific Instrument Organisation, Chandigarh.—Member Vice Dr. Mangal.

[No. LE(I)-3(3)/72]

C. MALLIKARJUNAN, Under Secy.

(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 1973

का० प्रा० 3398.—समय-समय पर सशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता कि लाइसेंस जिनके व्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, लाइसेंसधारी का कार्य असतोषजनक होने के कारण 15 मई, 1973 में रद्द कर दिया गया है।

अनुसूची

लाइसेंस सं० और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्संबंधी भारतीय मानक और शीर्षक
सी एम/एल-2636 29-3-1971	सैमर्स युनाइटेड पुल्वराइजर्स, बोदला, आगरा-7	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव	IS 1310-1958 एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव

[सं० एम डी डी/55-2636]

[Indian Standard Institution]

New Delhi, the 21st November, 1973

S. O. 3398.—In pursuance of sub-regulation (4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby notifies that the licence, particulars of which are given below, has been cancelled with effect from 15 May 1973 as the performance of the licensee was unsatisfactory :

SCHEDULE

Licence No. and Date	Name and address of the licensee	Article/Process covered by the licence	Relevant Indian Standard
CM/L-2636 29-3-1971	M/s United Pulverisers, Bodla, Agra-7.	Endrin Emulsifiable Concentrates	IS :1310-1958 Specification for Endrin Emulsifiable Concentrates

[No. MDD/55:2636]

का० प्रा० 3399.—समय-समय पर सशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन लाइसेंस का व्योरा नीचे अनुसूची में दिया गया है वरन् लाइसेंसधारी के अपने अनुरोध पर 16-9-1973 से रद्द कर दिया गया है।

अनुसूची

लाइसेंस सं० और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्संबंधी भारतीय मानक और शीर्षक
सी एम/एल-2929 21-2-1972	मेमर्स किसान केमिकल, 127, इन्डस्ट्रियल एरिया, खडीगढ़	बी एच सी पायसनीय तेज द्रव	IS 632-1966 बी एच सी पायसनीय तेज द्रव

[सं० एम डी डी/55-2929]

डी० दाम गुप्ता, उप-महानिदेशक

S. O. 3399.—In pursuance of sub-regulation (4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations, 1955, as amended from time to time, the

Indian Standards Institution, hereby notifies that the licence particulars of which are given below, has been cancelled with effect from 16-9-1973 on the licensee's request :

SCHEDULE

Licence No. and Date	Name and address of the licensee	Article/Process covered by the licence	Relevant Indian Standards
CM/L-2929 21-2-1972	M/s Kisan Chemical, 127 Industrial Area, Chandigarh.	BHC Emulsifiable Concentrates.	IS:632-1966 for BHC Emulsifiable Concentrates.

[No. MDD/55:2929]

(D.DAS GUPTA, Dy. Director General)

इस्पत और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1973

का० प्रा० 3400.—यह कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के भूतपूर्व खान और धातु मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० प्रा० 1424, तारीख 30 अप्रैल, 1966 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

और यह सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसूची में अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को दी है ;

और यह उक्त रिपोर्ट पर विचार करने और बिहार सरकार से परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित 121 00 एकड़ (लगभग) अथवा 49.00 हेक्टेयर (लगभग) परिमाण की भूमि को अर्जित किया जाना चाहिये।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में वर्णित 121 00 एकड़ (लगभग) अथवा 49.00 हेक्टेयर (लगभग) परिमाण की भूमि एतद्वारा अर्जित की जाती है।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण उपर्युक्त, हजारीबाग के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक, 1 काउन्सिल हाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में अथवा राष्ट्रीय कोयला विकास नियम लिमिटेड (राजस्व अनुभाग), वरमगा हाऊस, रांची (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची

रामगढ़ खंड II विस्तार

रामगढ़ कोयला क्षेत्र

डाईंग संख्या राजस्व/102/73

तारीख 13-1-73

राज्यधिकार

(अर्जित की गई भूमि को दर्शाते करते हुए)

क्रम सं०	ग्राम	धाना	धाना संख्या	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियाँ
1-सेमर बेडा	गोमिया		52	हजारीबाग	भाग	
2-कंडेर	गोमिया		45	हजारीबाग	भाग	
3-सरैया	रामगढ़		119	हजारीबाग	भाग	
	कुल क्षेत्र		121 00 एकड़ (लगभग)			अथवा 49 00 हेक्टेयर (लगभग)

ग्राम सेमरबेडा में अजित प्लाटों की संख्या :

9(पी), 66(पी), 70(पी), 71(पी), 72, 73(पी), 74 से 86, 87(पी), 88 से 94, 95(पी), 104(पी), 106(पी), 107(पी), 169(पी), 630(पी), 1248(पी), 1626(पी) और 1265(पी)।

ग्राम कंडेर में अजित प्लाटों की संख्या :

1689(पी), 1701(पी), 1702(पी), 1703(पी) 1705(पी), 1706, 1707, 1708(पी), और 1730(पी)।

ग्राम सरैया में अजित प्लाटों की संख्या :

875(पी) और 876(पी)।

सीमा विवरण

- 1-2-3 लाइन ग्राम कंडेर में प्लाट संख्या 1689, 1705, 1703, 1701, 1703, 1702, 1703 और 1708 और ग्राम सरैया में प्लाट संख्या 875 से होकर गुजरती है और बिन्दु 3 पर मिलती है।
- 3-4 लाइन ग्राम सरैया में दामोदर नदी के भागत. दाएं किनारे से होकर गुजरती है और बिन्दु 4 पर मिलती है।
- 4-5 लाइन ग्राम सरैया में प्लाट संख्या 876 और ग्राम सेमरबेडा में प्लाट संख्या 630, 169, 95, 169, 106, 104, 169, 108, 107, 67, 66, 67, 73, 71, 70, 9, 1265, 1248 और 1262 से होकर गुजरती है और बिन्दु 5 पर मिलती है (जो रामगढ़ खण्ड-II के साथ भी भागत. सामान्य सीमा बनाती है)।
- 5-1 लाइन ग्राम सेमरबेडा में प्लाट संख्या 1262, 1248 और 87 और ग्राम कंडेर में प्लाट संख्या 1730 और 1689 से होकर गुजरती है और बिन्दु 1 पर मिलती है।

[फा० सं० 25(22)/73-को० 5]

ए० एस० देशपाण्डे, अवर सचिव

MINISTRY OF STEEL & MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 27th November, 1973

S.O. 3400—WHEREAS by the notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Metals No. S.O.1424 dated the 30th April, 1966, issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification.

AND WHEREAS the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government;

AND WHEREAS the Central Government, after considering the report aforesaid, and after consulting the Government of Bihar, is satisfied that the lands measuring 121.00 (approximately) or 49.00 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the lands measuring 121.00 acres (Approximately) or 49.00 hectares (approximately) described in the said Schedule are hereby acquired.

2. The plans of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the National Coal Development Corporation Limited (Revenue Section), Darbanga House, Ranchi (Bihar).

SCHEDULE

Ramgarh Block-II-Extn.
Ramgarh Coalfields

Drg. No. Rev/102/73
Dated 13-1-73
Showing Lands Acquired

All Right

Sl. Village No.	Thana	Thana number	District	Area	Remarks
1. Semarbera	Gomia	52	Hazaribagh		Part
2. Kander	Gomia	45	Hazaribagh		Part
3. Saraiya	Ramgarh	119	Hazaribagh		Part

Total Area 121.00 acres (Approximately)

or 49.00 Hectares (approximately)

Plot numbers to be acquired in village Semarbera : 9(P), 66(P), 67(P), 70(P), 71(P), 72, 73(P), 74 to 86, 87(P), 88 to 94, 95(P), 104(P), 106(P), 107(P), 108(P), 169(P), 630(P), 1248(P), 1262(P), and 1265(P).

Plot numbers acquired in village Kander: 1689(P), 1701(P), 1702(P), 1703(P), 1705(P), 1706, 1707, 1708(P). and 1730, (P).

Plot numbers acquired in village Saraiya : 875(P) and 876(P).

BOUNDARY DESCRIPTION :

- 1-2-3 lines pass through plot numbers 1989, 1705, 1703, 1701, 1703, 1702, 1703 and 1708 in village Kander and through plot number 875 in village Saraiya and meet at point 3.
- 3-4 lines passes along the part right Bank of River Damodar in village Saraiya and meets at point 4.
- 4-5 line passes through plot number 876 in village Saraiya and through plot number 630, 169, 95, 169, 106, 104, 169, 108, 107, 67, 66, 67, 73, 71, 70, 9, 1265, 1248, and 1262 in village Semarbera and meets at point 5 (which is also the part common boundary of Ramgarh Block-II).
- 5-1 line passes through plot numbers 1262, 1248, and 87 in village Semarbera and through plot numbers 1730 and 1689 in village Kander and meets at point 1.

[F. No. 25(22)/73-C-5]

A. S. DESHPANDE,

Under Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय
परिवहन पक्ष

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1973

(बाणिज्य पोत परिवहन)

का. आ. 3401.—बाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 303 की उपधारा (3) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार विदेशों के सभी भारतीय कौंसलीय कार्यालयों को उक्त खंड में विनिर्दिष्ट शक्तियों का प्रयोग करने के लिए, प्राधिकृत करती है।

[सं. 48-एम. ए. (8)/72]

वी. पी. सुब्रह्मण्यम्, उप-सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
(Transport Wing)

New Delhi, the 15th November, 1973

(Merchant Shipping)

S.O. 3401.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 303 of the Merchant Shipping Act,

1958 (44 of 1958), the Central Government hereby authorises every Indian Consular Officer abroad to exercise the powers specified in clause (a) of the said sub-section (3).

[No. 46-MA(6)/72]

V. V. SUBRAHMANYAM, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 23 नवम्बर, 1973

का० आ० 3402.—सड़क परिवहन निगम अधिनियम, 1950 (1950 का 64) की उपधारा (1) और धारा 44 की उप-धारा (2) के खंड (क), (ख), (ग) और (घ) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1 संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) उन नियमों का नाम दिल्ली परिवहन निगम (सदस्य) (संशोधन) नियम, 1973 है।

2. (2) ये राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 दिल्ली परिवहन निगम (सदस्य) नियम, 1973 के नियम 3 के खंड (घ) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाए, अर्थात् :—

(घ) छ व्यक्तिओं में

(i) नई दिल्ली नगर पालिका का एक प्रतिनिधि होगा;

(ii) एकल सक्रमणीय मत द्वारा अनुपाति प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार परिषद् के सदस्यों में से निर्वाचित दिल्ली महानगर परिषद् का एक प्रतिनिधि होगा;

(iii) एकल सक्रमणीय मत द्वारा अनुपाति प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार दिल्ली नगर निगम के सदस्यों में से निर्वाचित दिल्ली नगर का एक प्रतिनिधि होगा; और

(iv) एक प्रतिनिधि राज्य परिवहन प्राधिकारी, दिल्ली का होगा।

[स 15-टी०ए०जी(2)/73]

एन० ए० ए० नारायणन, प्रवर सचिव

New Delhi, the 23rd November, 1973

S.O. 3402.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (a), (b), (c) and (d) of sub-section (2) of Section 44 of the Road Transport Corporations Act, 1950 (64 of 1950), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Delhi Transport Corporation (Members) (Amendment) Rules, 1973.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Delhi Transport Corporation (Members) Rules, 1973, in rule 3, for clause (d), the following clause shall be substituted, namely:—

“(d) Six persons of whom—

(i) one shall be a representative of New Delhi Municipal Committee;

(ii) one shall be a representative of the Delhi Metropolitan Council elected from among the members of the Council in accordance with the system of proportional representation by means of a single transferable vote;

(iii) one shall be a representative of the Delhi Municipal Corporation elected from among the members of the Delhi Municipal Corporation in accordance

with the system of proportional representation by means of a single transferable vote; and

(iv) One shall be a representative of the State Transport Authority Delhi.”

[No. 15-TAG(2)/73]

N. A. A. NARAYANAN, Under Secy.

दिल्ली विकास प्राधिकरण

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 1973

सार्वजनिक सूचना

का. आ. 3403.—केन्द्रीय सरकार निम्नीलिखित संशोधन दिल्ली मुख्य योजना में करने का विचार कर रही है जिससे सार्वजनिक सूचना हेतु एतद्द्वारा प्रकाशित किया जा रहा है। प्रस्तावित संशोधन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति या सुझाव देना है तो वे अपनी आपत्ति और सुझाव इस ज्ञापन के 30 दिन के भीतर सूचित, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली विकास भवन, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली के पास लिखित रूप में भेज सकते हैं, जो व्यक्ति अपनी आपत्ति या सुझाव दे, वे अपने नाम व पूरा पता भी दें।

संशोधन

“लगभग 91.00 हेक्टर का क्षेत्र जो उत्तर में रेसकोर्स तथा सफदरजंग टॉम्ब, दक्षिण में रेलवे लाइन, पश्चिम में नाला तथा पूर्व में महरौली रोड द्वारा घिरा हुआ है, मुख्य योजना के अनुसार यह क्षेत्र मनोरंजन उपयोग के लिए निर्दिष्ट किया गया है। इसे अब सफदरजंग हवाई-अड्डे को कायम रखने के लिए ‘सरकूलेशन यूज’ के लिए परिवर्तित करने का प्रस्ताव है।”

प्रस्तावित संशोधन को हंगल करने वाली योजना कार्यालय दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली विकास भवन, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली में शनिवार को छोड़ समस्त कार्यशील दिनों में उक्त अवधि में निरीक्षण हेतु उपलब्ध होगी।

[सं. एफ. 3(120)/73-रम. पी.]

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

New Delhi, the 8th December, 1973

PUBLIC NOTICE

S.O. 3403.—The following modification which the Central Government proposes to make to the Master Plan for Delhi is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send the objection or suggestion in writing to the secretary, Delhi Development Authority, Delhi, Vikas Bhawan Indraprastha Estate, New Delhi within a period of thirty days from the date of this notice. The person making the objection or suggestion should also give his name and full address.

MODIFICATION

“The area bounded by Race Course and Safdarjang Tomb in the north, railway line in the south, nallah in the west and Mehrauli Road in the east, measuring about 91.00 hectares and earmarked for recreational use in the Master Plan is proposed to be changed for ‘Circulation Use’ for the retention of Safdarjang Airport.”

The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Authority, Delhi Vikas Bhawan, Indraprastha Estate, New Delhi on all working days except Saturdays, within the period referred to above.

[No: F.3(120)/73-M.P.]

सार्वजनिक सूचना

का. आ. 3404.—केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित संशोधन दिल्ली मुख्य योजना में करने का विचार कर रही है जिसे सार्वजनिक सूचना हेतु एतद्द्वारा प्रकाशित किया जा रहा है। प्रस्तावित संशोधन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति या सुझाव देना है तो वे अपनी आपत्ति या सुझाव इस ज्ञापन के 30 दिन के भीतर सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली विकास भवन, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली के पास लिखित रूप में भेज सकते हैं, जो व्यक्ति आपत्ति या सुझाव दे, वे अपने नाम व पूरा पता भी दें।

संशोधन

“लगभग 5.66 हेक्टर (14 एकड़) का क्षेत्र जो उत्तर-पूर्व से 64 मीटर चौड़ी, रिंग रोड उत्तर-पश्चिम में क्षेत्रीय मार्ग तथा दक्षिण-पश्चिम एवं दक्षिण-पूर्व में क्रमशः डिस्ट्रिक्ट पार्क्स द्वारा घिरा हुआ है तथा यह क्षेत्र मोती बाग के निकट गुरुद्वारा एवं कालेज अहाते में पड़ता है। यह क्षेत्र लॉन् एफ-6 में पड़ता है जिसे ‘मनोरंजन’ से ‘आवासीय’ उपयोग में परिवर्तित करने का प्रस्ताव है।”

प्रस्तावित संशोधन को इंगित करने वाली योजना कार्यालय, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली विकास भवन, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली में शनिवार को छोड़ समस्त कार्यशील दिनों में उक्त अवधि में निरीक्षण हेतु उपलब्ध होगी।

[सं. एफ 20(1)/73-एम. पी.]

हृदय नाथ फोतेदार, सचिव

PUBLIC NOTICE

S.O. 3404.—The following modification which the Central Government proposes to make to the Master Plan for Delhi is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send the objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Delhi Vikas Bhawan, Indraprastha Estate, New Delhi, within a period of thirty days from the date of this notice. The person making the objection or suggestion should also give his name and full address.

MODIFICATION

“An area measuring about 5.66 hectares (14 acres) and bounded by 64 metre wide Ring Road on the North-east, a zonal road in the north-west and district parks in the south-west and south-east respectively, falling between the Gurdwara and the college campus near Moti Bagh in zone F-6, is proposed to be changed from ‘Recreational’ to ‘Residential’ Use.”

The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Authority, Delhi Vikas Bhawan, Indraprastha Estate, New Delhi on all working days except Saturdays, within the period referred to above.

[No. F. 20 (1)/73-M.P.]

H. N. FOTEDAR, Secy.

सिचाई और विद्युत मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1973

कां०आ० 3405.—पंचात्र पुनर्गठन अधिनियम, 1966 (1966 का 31) की धारा 80 की उपधारा (2) और (3) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के सिचाई और विद्युत मंत्रालय की अधिसूचना सं० कां०आ० 3507 तारीख 1 अक्टूबर, 1967 को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उत्तरवर्ती राज्यों और राजस्थान की राज्य की सरकारों से परामर्श करके ब्यास सन्निर्माण बोर्ड (जिसे इसमें इसके पश्चात् बोर्ड कहा गया है) का गठन एतद् द्वारा करती है, जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति हैं अर्थात् :—

अध्यक्ष

(1) सिचाई और विद्युत मंत्री, भारत सरकार।

सदस्य

- (2) पंजाब, हरयाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान राज्यों के मुख्य मंत्री।
- (3) पंजाब, हरयाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के प्रत्येक राज्य में से अपनी-अपनी सरकार द्वारा नामनिर्देशित एक मंत्री;
- (4) सिचाई और विद्युत उप-मंत्री, भारत सरकार;
- (5) सचिव, भारत सरकार, सिचाई और विद्युत मंत्रालय;
- (6) अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत प्रायोग;
- (7) संयुक्त सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग);
- (8) पंजाब, हरयाणा और राजस्थान सरकारों के सिचाई और विद्युत के भारसाधक सचिव;
- (9) राजस्थान सरकार का उपनिवेशन का भारसाधक सचिव और ब्यास परियोजना का भारसाधक सचिव;
- (10) पंजाब, हरयाणा और राजस्थान सरकारों के वित्त का भारसाधक सचिव;
- (11) वित्तीय प्रायुक्त-एवं-सचिव, राजस्व विभाग, हिमाचल प्रदेश;
- (12) महाप्रबन्धक, ब्यास परियोजना;
- (13) पंजाब, हरयाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के राज्य विश्रुत बोर्डों के अध्यक्ष,
- (14) पंजाब, हरयाणा के मुख्य इंजीनियर (सिचाई) और राजस्थान नहर परियोजना के मुख्य इंजीनियर;
- (15) पंजाब, हरयाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के राज्य विद्युत बोर्डों के तकनीकी सदस्य;
- (16) ब्यास सतलज लिंक और ब्यास बांध परियोजना के मुख्य इंजीनियर;
- (17) मुख्य इंजीनियर, विद्युत संकर्म, ब्यास परियोजना; और
- (18) वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी, ब्यास परियोजना; और बोर्ड को निम्नलिखित कृत्य समनुदेशित करती है, अर्थात् :—

(क) ब्यास परियोजना (जिसे इसमें इसके पश्चात् परियोजना कहा गया है) का दक्षतापूर्ण और मितव्ययी रूप से तथा शीघ्र रीति से सन्निर्माण, जिसमें पहले से ही प्रारम्भ किये गए किसी कार्य का पूरा किया जाना सम्मिलित है, किन्तु भाखड़ा राहट बैक पावर हाऊस पर 120 मेघा वाट क्षमता का पाँचवाँ उत्पादक एकक सम्मिलित नहीं है; और

(ख) परियोजना से संबंधित अन्य सभी कृत्य, जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं :—

(i) परियोजना प्राक्कृत्यों की समीक्षा और सभी कोई उपान्तर करना और कोषों परमाणु के प्रशासित प्रमुखोद्धार्य वास्तविकी की निगरानी करना;

(ii) तकनीकी और वित्तीय दोनों प्रकार की ऐसे कर्मियों का; बोर्ड सम्बन्धित सभी, परामर्शक और परियोजना के पूरा होने पर निराला प्रत्येक अधिकारी को प्रशिक्षण;

(iii) परियोजना के विभिन्न अंगों के निरीक्षण का निरीक्षण और निवारण और विद्युत् प्रयुक्ति के क्षेत्र उपान्तर के दिखे एक अवस्थानक वर्णन की निगरानी;

(iv) स्रष्टाओं की वास्तव मूल्यांकन के योजित उपायों की संबंधित सरकारों को निगरानी करना।

(v) सम्बन्धित के विकास के लिए योजित उपायों की संबंधित सरकारों को निगरानी करना।

(vi) परियोजना के सन्निधि के परिणामस्वरूप निम्नलिखित व्यक्तियों के पत्रों के लिए योजित उपायों का प्रारम्भ करना और लेना ;

(ग) कोई अन्य कृत्य जो केन्द्रीय सरकार द्वारा बोर्ड को प्रशिक्षणित किया जाए।

2. बोर्ड का एक सचिव होगा जिसके विद्युत् कर्मचारियों की व्यवस्था की जायेगी जो उनके इस प्रकार के कृत्यों के दक्ष निरन्तर के लिए आवश्यक हो, और सचिव का कार्यालय नई दिल्ली में स्थित होगा।

3. बोर्ड ऐसे कर्मचारियों को जो (पैरा 2 में निर्दिष्ट कर्मचारियों और महाप्रबंधक व्याप्त परियोजना से निम्न हो) जो उनके कृत्यों के दक्ष निरन्तर के लिए आवश्यक हो, नियुक्ति कर सकें।

[फा० सं० 17/128/67-भोगडकी-भा० 2]

बी एम बंसल, सचिव (1)

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

New Delhi, the 23rd March, 1973

S.O. 3405.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (2) and (3) of section 80 of the Punjab Reorganisation Act, 1956 (31 of 1956) and in pursuance of the notification of the Government of India in the Ministry of Irrigation and Power No. 3507, dated the 1st October, 1967, the Central Government, in consultation with the Governments of the successor States and the State of Rajasthan, hereby constitutes the Beas Construction Board (hereinafter referred to as the Board) consisting of the following persons, namely :—

Chairman

(1) The Minister of Irrigation and Power, Government of India;

Members

(2) The Chief Ministers of the States of Punjab, Haryana, Himachal Pradesh and Rajasthan;

(3) One Minister each from the States of Punjab, Haryana, Himachal Pradesh and Rajasthan to be nominated by the respective Government;

(4) The Deputy Minister of Irrigation and Power, Government of India;

(5) The Secretary to the Government of India, Ministry of Irrigation and Power.

(6) The Chairman, Central Water and Power Commission;

(7) The Joint Secretary to the Government of India, Ministry of Finance (Department of Expenditure);

(8) The Secretaries in charge of Irrigation and Power of the Governments of Punjab, Haryana and Rajasthan;

(9) The Secretary in charge of Colonisation and the Secretary in charge of the Beas Project of the Government of Rajasthan;

(10) The Secretary in charge of Finance of the Governments of Punjab, Haryana and Rajasthan;

(11) The Financial Commissioner-cum-Secretary, Revenue Department, Himachal Pradesh;

(12) The General Manager, Beas Project;

(13) The Chairmen, State Electricity Board of Punjab, Haryana, Himachal Pradesh and Rajasthan;

(14) The Chief Engineers (Irrigation) of Punjab and Haryana and the Chief Engineer, Rajasthan Canal Project;

(15) The Members Technical, State Electricity Boards of Punjab, Haryana, Himachal Pradesh and Rajasthan;

(16) The Chief Engineers of Beas Sutlej Link and Beas Dam Project;

(17) The Chief Engineer, Electrical Works, Beas Project; and

(18) The Financial Adviser and Chief Accounts Officer, Beas Project.

and assigns to the Board the following functions, namely :—

(a) the construction, in an efficient, economical and expeditious manner, of the Beas Project (hereinafter referred to as the Project) including the completion of any work already commenced, but excluding the fifth generating unit of 120 M.W. capacity at Bhakra Right Bank Power House; and

(b) all other functions in relation to the Project including :—

(i) scrutiny of the Project estimates and making of any modification thereto and recommending the estimates for the administrative approval of the Central Government;

(ii) delegation of such Powers, both technical and financial, as the Board may deem necessary, to the General Manager and other officers employed on the execution of the Project;

(iii) regulation of the construction of the different parts of the Project and preparation of a phased programme of early utilisation of irrigation and power benefits;

(iv) recommending to the concerned Governments suitable soil conservation measures in respect of the catchment areas;

(v) recommending to the concerned Governments suitable measures for the development of pisciculture;

(vi) undertaking of suitable measures for the rehabilitation of persons displaced consequent on the construction of the Project;

(c) any other function that may be delegated to the Board by the Central Government.

2. The Board shall have a Secretary who may be provided with such staff as may be necessary for the efficient discharge of its functions as such, and the office of the Secretary shall be located at New Delhi.

3. The Board may appoint such staff (other than that referred to in paragraph 2 and the General Manager, Beas Project) as may be necessary for the efficient discharge of its functions.

[File No. 17/128/67-B&B (Vol. II)]

B. S. BANSAL, Joint Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 28th November, 1972

S.O. 3406.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of B. R. Ramkanali Colliery, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad now under the management of Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 21st November, 1973.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 1), DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 35 of 1972

Parties :

Employers in relation to the B. R. Ramkanali Colliery, Post Office Katrasgarh, Dist. Dhanbad now under the management of Bharat Coking Coal Ltd.,

AND

Their Workmen.

Present :

Mr. Justice D. D. Seth (Retd.)—Presiding Officer.

Appearances :

For the old Employers.—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For the Bharat Coking Coal Ltd.—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For the Workmen.—None.

State : Bihar

Industry : Coal.

Dhanbad, the 16th November, 1973

AWARD

This is a reference made by the Central Government under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by an order No. L/2012/46/72-LRII dated New Delhi, the 10th October, 1972 in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and runs as follows :—

I. "Whether the action of the management of B. R. Ramkanali Colliery, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad, now under the management of Bharat Coking Coal Limited in stopping the following workmen from work with effect from 26th October, 1971, is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

S.No.	Name of the workmen	Designation
1.	Shri Chatu Bauri	Quarry Miners.
2.	Shri Jagdish Bauri	-do-
3.	Shri Dukhi Bauri	-do-
4.	Shri Anil Bauri	-do-
5.	Shri Magan Bouri	-do-
6.	Shri Madan Bauri	-do-
7.	Shri Matal Bouri	-do-
8.	Shri Kamala Bauri	-do-
9.	Shrimati Kunti Kamin	Quarry Loader
10.	Shrimati Sumi Kamin	-do-
11.	Shrimati Gandhari Kamin	-do-
12.	Shrimati Upashi Kamin	-do-

II. "Whether the action of the management of B. R. Ramkanali Colliery, Post Office Katrasgarh, District Dhanbad, now under the management of Bharat Coking Coal Limited in stopping Shri Badri Kumar, Night Guard from work with effect from the 26th October, 1971 is justified? If not, to what relief is the concerned workmen entitled?"

2. After the receipt of the reference by this Tribunal, notices were issued to the parties who filed their written statements. A written statement was also filed on behalf of the Bharat Coking Coal Ltd., Shri B. N. Singh, Member Central Executive Committee, Colliery Mazdoor Sangh, Dhanbad, on 7-5-73 filed an application calling for certain documents from the management and also filed an application for summoning the file of the Assistant Labour Commissioner (C), Dhanbad-1. The file of the Assistant Labour Commissioner (C), Dhanbad was, accordingly, summoned and was received on 29-6-73 and was placed on record. Shri S. S. Mukherjee representing the old management and Bharat Coking Coal Ltd., filed three items of documents along with the list on 26-3-73. On that date Shri S. Das Gupta appeared for the workmen. In this reference sometime Mr. B. N. Singh appeared and sometime Mr. S. Das Gupta appeared for the workmen. Actually on 10-4-73 Mr. Das Gupta appeared for the workmen and prayed for time for filing documents on behalf of the workman. The time prayed for was allowed.

3. Shri B. N. Singh, I am informed has given up practice and Shri Das Gupta does not seem to be interested in this reference. I quote below the ordersheet dated 26-9-73 which will make the position clear :—

"Shri S. Dasgupta is appearing for the workmen in this reference was present before the Tribunal in the morning while evidence in another reference was being recorded. Shri Dasgupta however, went away without informing the Tribunal or Shri S. S. Mukherjee appearing for the management and B.C.C.L. Shri S. S. Mukherjee is present and states that his witnesses are also present but since Shri Dasgupta has left, the reference has to be adjourned as there will be no one to cross-examine the witnesses produced by Shri S. S. Mukherjee. List this reference on 16th November, 1973. Shri S. S. Mukherjee will kindly inform Shri S. Dasgupta about the date".

4. Yesterday i.e. on 15-11-73 Shri S. Dasgupta appeared before the Tribunal in another reference and the head clerk of the Tribunal informed Shri Dasgupta about this reference but Shri Dasgupta replied that he is not interested in this reference and he will not appear.

5. Today I have waited for more than 2-1/2 hours but no one, either the workmen concerned or any representative of the union of the workmen has appeared before the Tribunal. Mr. S. S. Mukherjee however appeared on behalf of the management and the Bharat Coking Coal Ltd.

6. The dispute was referred to this Tribunal on a demand of the union of the workmen and it was the duty of the union of the workmen to prosecute the dispute but they have not bothered about it. They appeared before the conciliation authority but before this Tribunal, besides filing a written statement and summoning some records from the management and the file of the Assistant Labour Commissioner (C), Dhanbad neither any documents have been filed on behalf of the workmen nor any evidence has been led on their behalf. It is, therefore obvious that the workmen are not interested in prosecuting the reference. Today neither any intimation nor any application for adjournment of the reference on behalf of the workmen was received although I waited for about 2-1/2 hours. Since no one has appeared on behalf of the workmen and no documents have been filed on their behalf and no evidence has been led I do not think it necessary to state the respective cases of the parties as without documents and evidence it is not possible to adjudicate upon the two items of the dispute which have been referred to this Tribunal by the Central Government.

7. Under the circumstances I have no option but to hold that the workmen are not interested in prosecuting the dispute referred to this Tribunal for adjudication and proceed

to give a no dispute award in regard to both the items of the reference.

8. I accordingly pass a no dispute award in regard to both the items of the reference.

9. Let a copy of this award be forwarded to the Central Government under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

[No. L-2012/46/72-LR.II]

D. D. SETH, Presiding Officer

New Delhi, the 1st December, 1973

S.O. 3407.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kujama Colliery, Post Office Jharia, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 23rd November, 1973.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD.

Present :

Shri K. K. Sarkar.—Presiding Officer.

Reference No. 16 of 1973.

In the matter of an industrial dispute under S.10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Parties :

Employers in relation to the management of Kujama Colliery, Post office Jharia, District Dhanbad.

AND

Their workmen.

Appearances :

On behalf of the employers.—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

On behalf of the workmen.—Shri H. N. Singh, Vice President, Koyala Ispat Mazdoor Panchayat, Jharia.

State : Bihar.

Industry : Coal.

Dhanbad, the 20th November, 1973

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation in the Department of Labour and Employment referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Kujama Colliery, Post office Jharia, District Dhanbad and their workmen to this Tribunal U/s. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication upon the following issue as per the schedule below :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Kujama Colliery Post Office Jharia, District Dhanbad, in stopping work of Shri Mohammad Khalil, Hard Coke Oven Supervisor with effect from the 25th December, 1971, is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

After receipt of the above order of reference both sides duly appeared and filed their respective written statement. The reference then proceeded along its course. Ultimately on 2-11-73 the parties represented by their authorised representatives prayed for a short time to file a memorandum of settlement which was actually filed on 9-11-73. The contents of this memorandum of settlement have been subsequently verified as correct by Shri H. N. Singh representing the workmen and Shri S. S. Mukherjee, representing the company. I heard both sides on this memo. of settlement,

both of whom submit that the dispute has been amicably settled between the parties out of Court as per the above memo. of settlement and it is prayed that an award be passed in terms thereof. I have gone through the memo. of settlement and find that the terms thereof are beneficial to the parties. Nothing therefore stands in the way of the same being accepted and given effect to.

I, therefore, make an award in respect of the issue as referred to above in terms of the memorandum of settlement which do form part of the Award as Annexure A.

[No. L-2012/154/72-LR. II]

ANNEXURE 'A'

BEFORE THE HON'BLE PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
(NO. II) AT DHANBAD

In the matter of : Reference No. 16 of 1973

Parties :

Employees in relations to Kujama Colliery.

AND

Their Workmen.

Memorandum of Settlement

Without prejudice to the respective contentions, the parties to the dispute in the above mentioned Reference have settled the matter amicably as per terms hereinafter stated :—

1. That Shri Md. Khalil, the workman concerned will be employed as Pump Khalasi/Fan Khalasi in Category III with a basic starting of Rs. 6.20 per day at Kujama colliery with effect from 7th November, 1973 without any back wages and his services shall count from the date he reports for duty.

2. That the workman concerned will be given continuity of service with effect from 1-5-72 for the purposes of eligibility under payment of Gratuity Act, 1972.

3. That the employers will pay a sum of Rs. 100 (Rupees hundred only) to Shri H. N. Singh, Vice President, Koyala Ispat Mazdoor Panchayat, Jharia towards cost of the proceedings.

4. That in case the workman concerned does not report for duty within a fortnight from the date of this Settlement he shall have no right to claim employment whatsoever.

5. That the above terms finally resolve the dispute between the parties and there is, therefore, no subsisting dispute for adjudication in the present Reference.

It is, therefore, humbly prayed that the above terms of the Compromise may kindly be accepted and the Award passed in terms thereof.

For Employer :

For Workmen :

H. N. SINGH

For Bharat Coking Coal Ltd.

Manager, Kujama Colliery.

Dated.....1973.

K. K. SARKAR, Presiding Officer,
[No. L-2012/154/72-LR.II]

KARNAIL SINGH, Dy. Secy.

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1973

का. आ. 3408.—मद्रास अरजीस्ट्रीकृत डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1957 में और संशोधन करने के लिए स्कीम का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केंद्रीय सरकार डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त उपधारा द्वारा यथाअपीक्षित उन सभी

व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिसका उससे प्रभावित होना संभाव्य है; और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर राजस्व में इसके प्रकाशन की तारीख से छे मास की अवधि के पश्चात् विचार किया जाएगा।

किन्हीं आक्षेपों या सुझावों पर, जो उक्त प्रारूप की शायद किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के पूर्व प्राप्त किए जाएं, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप स्कीम

1. इस स्कीम का नाम मद्रास अरजिस्ट्रीकृत डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) संशोधन स्कीम, 1973 है।

2. मद्रास अरजिस्ट्रीकृत डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1957 में, खण्ड 13-घ के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“13 ड—महंगाई भत्ते, मजदूरियों और अन्य भत्तों के बकाए—गठित किए गए किसी बोर्ड या निकाय के किसी अधि-निर्णय या सिफारिश या केन्द्रीय सरकार द्वारा किए गए किसी आदेश के अनुसरण में, भवेलक्षी प्रभाव से महंगाई भत्ते के किसी पुनरीक्षण या पुनरीक्षित मजदूरियों या अन्य भत्तों की मंजूरी की दशा में, बोर्ड सूचीकृत कर्मकारों को यथास्थिति, अधिनिर्णय की या सिफारिश या आदेश की तारीख तक बकाए का संदाय अपनी निधि में से उस दशा में कर सकेगा, जबकि बोर्ड ऐसा विनिश्चय करे।

[सं. एस. 70012/3/73-पी एंड डी.]

बी शंकराजिगम, अधर रॉन्च, (पी एण्ड डी)

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 28th November, 1973

S.O. 3408.—The following draft of a Scheme further to amend the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1957 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), is published as required by the said sub-section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after a period of two months from the date of its publication in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT SCHEME

1. This Scheme may be called the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1973.

2. In the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1957, after clause 13-D the following clause shall be inserted, namely:—

“13-E.—Arrears of Dearness Allowance, wages and other allowances: In case of any revision of dearness allowance or grant of revised wages or other allowances, with retrospective effect, in pursuance of any award or recommendation of any board or body set up, or of any order made by the Central Government, the Board may out of its funds, pay the listed workers arrears upto the date of the award or, as the case may be, of the recommendation or order, if the Board so decides.”

[No. S-70012/3/73-P&D]

S.O. 3409.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Paradip Port Trust, Paradip, Cuttack, and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th November, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 31 of 1972

Parties :

Employers in relation to the management of Paradip Port Trust,

AND

Their workmen.

Present :

Sri S. N. Bagchi.—Presiding Officer.

Appearance :

On behalf of Employers—Sri Gopabandhu Das, Assistant Secretary, Paradip Port Trust.

On behalf of Workmen—Sri Gopabandhu Das, duly authorised by the Union.

State : Orissa

Industry : Port & Dock

AWARD

By Order No. L-38011/1/72-P&D, dated 15th May, 1972, the Government of India, in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), referred the following industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Paradip Port Trust and their workmen, to this tribunal, for adjudication, namely :—

“Whether the action of the management of Paradip Port Trust in serving on Shri K. C. Patnaik notice of termination of his services as worksarkar with effect from 30th November, 1965 and appointing him as Forest Guard with effect from the 1st December, 1965 on a lower scale of pay is justified? If not, to what relief is Shri Patnaik entitled and from what date?”

2. When the case was taken up for hearing on 30-10-1972 Sri Gopabandhu Das, Assistant Secretary, Paradip Port Trust appeared on behalf of the management of Paradip Port Trust. He was also authorised by the President, Paradip Port Workers' Union, Paradip Port to appear on behalf of the workmen. Sri Das filed a memorandum of compromise but the same could not be recorded on that date as requisite number of copies of the said compromise was not filed. The requisite number of copies have been received today which is the date fixed for the purpose. I have gone through the compromise. The terms of the compromise are fair, equitable and beneficial to the parties. I, therefore, record the compromise and pass an award in terms of the compromise, a copy of which is annexed hereto.

This is my award.

S. N. BAGCHI, Presiding Officer.

Dated, November, 8th, 1973.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL 20, BRITISH INDIAN STREET (1ST FLOOR), CALCUTTA-1

Reference No. 31/72/545

Parties :

Employers in relation to the management of Paradip Port Trust.

AND

Their workman namely Sri Kedar Ch. Pattanaik.

The compromise petition of the Employer and the workman above named

MOST respectfully sheweth :

- (1) That the workman namely Sri K. C. Pattanaik was appointed as a workman in Port Building Division No. 1 on 18-11-63 under work-charged establishment. He was served with one month's notice of retrenchment on 30-10-65 due to reduction of work in that Division and was relieved on 30-11-65.
- (2) That the above said workman filed the above reference on the ground that since retrenchment compensation has not been paid to him the retrenchment is illegal and liable to be quashed.
- (3) That after negotiation between the parties it has been decided to compromise the case on the following grounds agreed between the parties.

GROUND

- (1) That it has been decided that the workman namely Sri K. C. Patanaik will be given continuity of service as Workman from the date of his retrenchment from that service i.e. 30-11-65.
- (2) That the workman's present pay will be fixed taking into account the said continuity of service
- (3) That no arrear pay will, however, be paid for the above period. But it is agreed that, that a lump-sum amount of Rs. 4,500 (Rupees four thousand five hundred) only will be given to the workman.
- (4) That the workman will have no right to move any Tribunal/Court hereafter on receipt of the benefits mentioned above, for further benefits.

PRAYER

It is, therefore, prayed that your honour will be pleased to receipt the terms agreed to between the parties as set out above and to give necessary awards.

And for this act of your kindness the parties above named as in duty-bound shall ever pray.

By the Employer of Paradip Port Trust.

On behalf of the workman Sri K. C. Patnaik
President, Pradep Port Workers' Union
[No. L-38011/1/72-P&D]

V. SANKARALINGAM, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1973

का. आ. 3110.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में यूनिवर्सल फायर एण्ड जनरल इन्श्योरेंस कम्पनी से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है,

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है,

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एच. आर. सोढी होंगे जिनका मुख्यालय चंडीगढ़ होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

यथा यूनिवर्सल फायर एण्ड जनरल इन्श्योरेंस कम्पनी के प्रबंधक श्री, श्री के. एल. गुप्ता, लेखापाल, यूनिवर्सल

फायर एण्ड जनरल इन्श्योरेंस कम्पनी, अमृतसर को लिपिकों और टाइपिस्टों (टंककों) को अनुज्ञेय 125-385 रु. की श्रेणी में रखने की कार्रवाई न्यायोचित थी? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष का हकदार है?"

[सं. एल-17011/16/72-एल आर 1]

एस. एस. सहस्त्रनाथ, अवसर राक्षस

ORDER

New Delhi, the 30th October, 1973

S.O. 3410.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Universal Fire and General Insurance Company and their workman in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri H. R. Sodhi shall be the Presiding Officer, with headquarters at Chandigarh and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Universal Fire and General Insurance Company in placing Shri K. L. Gupta, Accountant, Universal Fire and General Insurance Company, Amritsar in the grade of Rs. 125-385 admissible to Clerks and Typists was justified? If not, to what relief is he entitled?"

[No. L-17011/16/72-LR. II]

New Delhi, the 27th November, 1973

S.O. 3411.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Rajasthan, Jaipur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of West Suket Labour Contractor Co-operative Society Limited, Post Office, Suket, District Kota and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th November, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, RAJASTHAN, JAIPUR

Present :

Shri Updesh Narain Mathur,—Presiding Officer.

Case No. CIT-31 of 1972

Ref :—Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation, Department of Labour & Employment, New Delhi Order No. L-29012/26/71-LR-IV dated 25th October, 1971.

In the Matter of an Industrial Dispute.

BETWEEN

The Management of West Suket Labour Contractor Co-operative Society Limited, P. O. Suket, Distt. Kota.

AND

Then workmen represented by Rashtriya Mazdoor Sangh, Ramganjmandi

Date of Award :

10th October, 1973

AWARD

The Central Government has made the following reference to this Tribunal for adjudication:—

"Whether the action of the management of West Suket Co-operative Labour Contractors Society Limited, Post Office Suket (District Kota) in suspending Shri Wahid Ullah Khan, Supervisor of their Kukra Lime Stone Mine with effect from 28th April, 1971 and thereafter keeping him virtually dismissed is legal and justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

Notice was issued to the concerned Union viz. the Rashtriya Mazdoor Sangh, Ramgananimandi, Rajasthan. The statement of claim was filed on 24-1-72 but thereafter the representative of the Union failed to appear and pursue the matter. It appears that the Union is not interested in pursuing the matter further. In view of the non-appearance on behalf of the Union, there is no alternative but to pass a 'no dispute' award in the matter.

[No. L-29012(26)/71-LR. IV]

U. N. MATHUR, Presiding Officer,

S.O. 3412.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Rajasthan, Jaipur in the matter of an application under section 33A of the said Act from Shri Matadeen Singh which was received by the Central on the 19th November, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
RAJASTHAN, JAIPUR

Present :

Shri Updesh Narain Mathur.—Presiding Officer.

Complaint No. CIT-2 of 1972

Shri Matadeen Singh s/o Shri Madho Singh.—Complainant.

Vs.

The Jaipur Udyog Limited, Sawai Madhopur.—Opposite Party.

Appearances :

For the Complainant.—None.

For the Management.—Shri D. N. Sharma.

Date of Award : 30th October, 1973

AWARD

This is a Complaint under section 33A of the Industrial Disputes Act filed by Shri Matadeen Singh against the management of Jaipur Udyog Limited, Sawai Madhopur. No one is putting in appearance on behalf of the Complainant since 4-7-72. It appears that the Complainant is not interested in the prosecution of the Complaint. I have, therefore, no alternative but to pass a no dispute award in the matter. A no dispute award is accordingly passed which may be sent to the Central Government for publication.

U. N. MATHUR, Presiding Officer.

[No. L-29014/2/73-LR. IV]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1973

का०प्रा० 3413.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5 क की उपधारा (1) के खंड (ग) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना

संख्या का०प्रा० 3048, तारीख 26 अगस्त, 1972 को अधिकांत करते हुए केन्द्रीय सरकार विशेष सचिव, तमिल नाडु सरकार, श्रम और रोजगार विभाग की केन्द्रीय न्यायी बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का०प्रा० 2412, तारीख 6 जुलाई, 1970 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में मद 12 के सामने, प्रथम स्तम्भ में विद्यमान प्रविष्टि रची जाएगी, अर्थात्:—

"विशेष सचिव, तमिल नाडु सरकार, श्रम और रोजगार विभाग, मद्रास"।

[सं. 12(5)/69-पीएफ 2]

New Delhi, the 24th November, 1973

S.O. 3413.—In exercise of the powers conferred by clause (c) of sub-section (1) of section 5A of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3048 dated the 26th August, 1972, the Central Government hereby appoints the Special Secretary to the Government of Tamil Nadu, Labour and Employment Department, as member of the Central Board of Trustees and makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2412, dated the 6th July, 1970, namely:

In the said notification against item 12, for the existing entry in the first column the following entry shall be substituted namely:—

"The Special Secretary to the Government of Tamil Nadu, Labour and Employment Department, Madras."

[No. 12(5)/69-PF.II]

नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 1973

का०प्रा० 3414.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स रामेश्वर प्रसाद केजरीवाल एण्ड संस्, 4, इंडिया एक्सचेंज प्लेस, दूसरी मंजिल, कलकत्ता नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के जून के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35017(7)/73-पी०एफ० 2(i)]

New Delhi, the 26th November, 1973

S.O. 3414.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Rameshwar Prasad Kejriwal & Sons, 4, India Exchange Place, 2nd Floor, Calcutta have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central

Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1972.

[No. S.35017(7)/73-PF.II(i)]

का० आ० 3415.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मैसर्स रामेश्वर प्रसाद केजरीवाल एण्ड सन्स, 4, इंडिया एक्सचेंज प्लेस, दूसरी मंजिल, कलकत्ता-1 नामक स्थापन को 1972 के जून के तीसवें दिन से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35017(7)/73-पी०एफ० 2(ii)]

S.O. 3415.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter hereby specifies with effect from the thirtieth day of June, 1972, the establishment known as Messrs Rameshwar Prasad Kejriwal & Sons, 4 India, Exchange Place, 2nd Floor, Calcutta-1 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(7)/73-PF.II(ii)]

का०आ० 3416.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि दि हूपजन पर्वत टी कम्पनी लिमिटेड, 35, चितरंजन एवेन्यू, कलकत्ता-12 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 के जून के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस-35017(46)/73पी०एफ०-2)]

S.O. 3416.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as The Hapjan Purbat Tea Company Limited, 35, Chitranjan Avenue, Calcutta-12 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1971.

[No. S. 35017/46/73-PF.II]

का०आ० 3417.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शाह बक्स बीपीसी प्लाट "क्यू" नार्थ फासबेरी रोड, सेवरी, मुम्बई-33 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के दिसम्बर के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35018(38)/73-पी०एफ० 2]

S.O. 3417.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Shah Brothers B.P.T. Plot "Q" North Fosbery Road, Sewri, Bombay-33 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1972.

[No. S.35018/38/73-PF.II]

का०आ० 3418.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स क्यांग टी० सीड कंपनी लिमिटेड, 35, चितरंजन एवेन्यू (तीसरी मंजिल) कलकत्ता-12 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के जून के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस-35017(47)/73-पी०एफ०-2]

S.O. 3418.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kyang Tea Seed Company Limited, 35, Chitranjan Avenue, (3rd Floor) Calcutta 12 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1971.

[No. S. 35017/47/73-PF.II]

का०आ० 3419.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्वास्तिक ग्राई इंडस्ट्रीज राम बंस एस० बी० रोड, मोलद, मुम्बई नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के अगस्त के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं०एस-35018 (39)/73 पी० एफ० 27]

S.O. 3419.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Swastik Art Industries Ram Bans S. V. Road, Molad Bombay have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of August, 1972.

[No. S. 35018(39)/73-PF.II]

का० ग्रा० 3420—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मिसर्स परमशिवन् पोटरिज चिट्टी मेरी, पुडुक्काडु पो० ओ० त्रिचूर जिला, केरल नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के फरवरी के अठ्ठाईसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एम-35019(59)/73-पी०एफ०2]

S.O. 3420.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Paramasivan Potteries Chittiserry, Pudukkadu Post, Trichur District, Kerala have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1973.

[No. S. 35019(59)/73-PF.II]

का० ग्रा० 3421.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मिसर्स जय केमिकल इण्डस्ट्रीज, 7/12, वल्लभ इण्डस्ट्रीज एस्टेट, नगरवेल हनुमान रोड रेखियल, अहमदाबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के दिसम्बर के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी

[सं० एम-35019(62)/73-पी०एफ०2]

S.O. 3421.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Jay Chemical Industries 7/12, Vallabh Industrial Estate Nagarvel Hanuman Road, Rakhial, Ahmedabad have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension

Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1972.

[No. S. 35019(62)/73-PF. II]

का० ग्रा० 3422.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मद्रास पोस्टल ऑडिट डिपार्टमेंटल कैंटीन, सं० 3, कमाण्डर-इन-चीफ रोड मद्रास-8 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एम-35019(34)/73-पी०एफ०2]

S.O. 3422.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Madras Postal Audit Departmental Canteen, No. 3, Commander in Chief Road, Madras-8 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1973.

[No. S. 35019(34)/73-PF.II]

का० ग्रा० 3423.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मिसर्स पोथान एण्ड कम्पनी, सी-22, एच०एम० टी० इण्डस्ट्रियल एस्टेट, बंगलोर-31 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की मई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एम-35019(103)/73-पी०एफ०2]

S.O. 3423.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Pothan & Co., B-22, H.M.T. Industrial Estate, Bangalore-31 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central

Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1973.

[No. S. 35019(103)/73-PF.II]

का० आ० 3424.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि बि बंगाल प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड, 39, बेंटिन्क स्ट्रीट, कलकत्ता नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गयी है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 की जून के द्वासीमवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35017(42)/73-पी० एफ० 2]

S.O. 3424.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as The Bengal Properties Private Limited, 39, Bentinck Street, Calcutta have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of May, 1972.

[No. S. 35017/42/73-PF.II]

का० आ० 3425.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स निर्मल टेक्स्टाइल्स लिमिटेड, 12, कुमारपारा रोड, पी० ओ० लिलुआ, हावड़ा, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 के अगस्त के द्वासीमवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35017(16)/73-पी० एफ० 2]

S.O. 3425.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nirmal Textile Mills, 12, Kumarpara Road, P.O. Liluah, Howrah have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of August, 1971.

[No. S. 35017(16)/73-PF.II]

का० आ० 3426.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मेसर्स विनाय कुमार एंड ब्रदर्स, 24-बी, दार्यागंज, दिल्ली-6 नामक स्थापन को 1973 के मार्च के प्रथम दिन से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एम-35019(71)/73-पी० एफ० 2]

S.O. 3426.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of March, 1973 the establishment known as Messrs Vinay Kumar and Brothers, 24-B, Daryaganj, Delhi-6 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/71/73-PF.II(ii)]

का० आ० 3427.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स विनाय कुमार एंड ब्रदर्स, 24-बी दार्यागंज, दिल्ली-6 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के मार्च के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम-35019(71)/73-पी० एफ० 2(1)]

S.O. 3427.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vinay Kumar and Brothers, 24-B, Daryaganj, Delhi-6 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1973.

[No. S. 35019/71/73-PF.II(ii)]

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1973

का. आ. 3428.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार श्री काँस पीटर को उक्त अधिनियम और उसके अधीन विरचित किसी स्कीम और कुटुम्ब पेंशन निधि स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या किसी ऐसे स्थापन के संबंध में, जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएँ हों, सम्पूर्ण तामिल नाडु राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए. 12015(4)/70-पी. एफ.11]

New Delhi, 28th November, 1973

S.O. 3428.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri Caius Peter to be Inspector for the whole of the State of Tamil Nadu for the purposes of the said Act, and the Scheme and the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12015/4/70-PF. I]

का. आ. 3429.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना सं. 21(6)/62-पी. फ. 1, तारीख 31 अगस्त, 1962 को अधिकान्त करने हुए केन्द्रीय सरकार श्री पी. एम. जोग को उक्त अधिनियम और उसके अधीन विनियमित किंगी स्कीम और कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल श्रमजी, महापत्तन, खाग या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या ऐसे स्थापन के संबंध में जिसकी एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएँ हों, सम्पूर्ण गाँवा, वृमण और दीव संघ राज्य क्षेत्र के लिए निरीक्षक नियुक्त करती हैं।

[सं. ए. 12015(7)/71-पी. एफ. 1(2)]

S.O. 3429.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No. 21(6)/62-PF.1, dated the 31st August, 1962, in so far as it relates to Shri P. M. Joag to be an Inspector for the whole of the Union territory of Goa, Daman and Diu for the purposes of the said Act, and the Scheme and the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12015/7/71-PF. I(ii)]

का. आ. 3430.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 16 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम, रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2119, तारीख 1 जून, 1970 के क्रम में, केन्द्रीय सरकार ऐसे वर्ग के स्थापनों को, जो लाख, जिसके अन्तर्गत चपड़ा हैं, उद्योग के ऐसे कारखाने हैं जो भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. नि. आ. 2026, तारीख 3 सितंबर, 195 द्वारा उक्त अधिनियम के अन्तर्गत आते हैं, उक्त अधिसूचना में विनिर्दिष्ट अवधि के अयसान की तारीख 31 दिसम्बर, 1973 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, दो वर्ष की और अवधि के लिए उक्त अधिनियम के उपबन्धों से छूट देती हैं।

अधिसूचना संख्या का. आ. 3430, तारीख 28 नवम्बर, 1973 का

स्पष्टीकरण ज्ञापन

लाख (जिसके अन्तर्गत चपड़ा हैं) उद्योग तारीख 3 सितम्बर, 1966 से कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 के अधीन आ गया था। चूँकि यह उद्योग जिस की स्थिति अवश्यक रूप से निर्यात के लिए है, भविष्य निधि संसाधन कुताने का वित्तीय भार वहन नहीं कर

सकता था इसलिए इस उद्योग को वित्तीय आधारों पर उक्त अधिनियम की धारा 16(2) के अधीन छूट दी गई है। इस उद्योग के स्थापनों को वित्तीय स्थिति का सरकार द्वारा समय-समय पर पुनर्बिलोकन किया गया था और उनको कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 की धारा 16(2) के अधीन 31 दिसम्बर 1971 तक छूट दी जाती रही है।

2. अब और अवधि के लिए छूट देने का मामला संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्तों, राज्य सरकारों और केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों के परामर्श से विचाराधीन रहा है। अब यह विनिश्चित किया गया है कि यह छूट 31-12-1973 तक की अवधि के लिए जारी रखी जाए। जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है, यह मामला विचाराधीन होने के कारण इस भाग की अधिसूचना और पहले जारी नहीं की जा सकती। अतः यह अधिसूचना भूतलक्षी तारीख से जारी की जा रही है।

[सं. 11/1ए/68-पी एफ 2 जिल्द 2]

S.O. 3430.—In exercise of powers conferred by sub-section (2) of section 16 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation No. 2119 dated 1st June, 1970, the Central Government hereby exempts for a further period of two years from the date of the expiry of the period specified in the said notification, upto and inclusive of the 31st December, 1973, from the provisions of the said Act, such class of establishments as are factories in the Lac, including Shellac industry, as were covered by the said Act by the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour No. S.R.O. 2026, dated the 3rd September, 1956.

**Explanatory Memorandum to Notification No. S.O. 3430
Dated 28th November, 1973**

Lac (including Shellac) industry was covered under the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 with effect from 30th September, 1956. The industry which is essentially expert oriented, was granted exemption under section 16(2) of the Act on the ground that it could not bear the financial burden of paying contribution to the provident fund. The financial position of the establishments in the industry was reviewed by the Government from time to time and the exemption under section 16(2) of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 was continued to 31st December, 1971.

2. The question of exemption for a further period has been, under consideration in consultation with the Central Provident Fund Commissioner, State Governments and Central Ministries/Departments. It has now been decided to continue the exemption upto 31st December, 1973 only. The notification to this effect could not be issued earlier as the matter was under consideration as explained above. Hence the Notification is being issued from a retrospective date.

[No. 11/1A/68-PF. II/Vol. II]

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 1973

का. आ. 3431.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत है कि मैसर्स चेल्लारामस लोक कलस, 34, कैम्प गाउडा रोड, बंगलौर-9 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की मई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(94)/73-पी. एफ. 2(1)]

New Delhi, the 29th November, 1973

S.O. 3431.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chellarams Lok-Kalas 34 Kempas Gowda Road, Bangalore-9 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1973.

[No. S. 35019(94)/73-PF. II(i)]

का. आ. 3432.—कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्भ पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मैसर्स चेल्लारामस लोक-कलस सं. 34 केम्पस गौडा रोड, बंगलूर-9 नामक स्थापन को 1973 की मई के प्रथम दिन से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एस-35019(94)/73-पी. एफ. 2(2)]

S.O. 3432.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of May, 1973 the establishment known as Messrs Chellarams Lok-Kalas No. 34 Kempa Gowda Road, Bangalore-9 for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019/94/73-PF. II(ii)]

का. आ. 3433.—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कनिक केमिकल इंजीनियरिंग्स प्राइवेट लिमिटेड, 207, ककडू चेंबरस, डा. एनिबेसंट रोड, वर्ली, मुम्बई-18 डब्ल्यू जी नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्भ पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के सितम्बर के तीसरे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35018(25)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3433.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Knik Chemical Engineering Private Limited, 207, Kakad Chambers Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18, W.B. have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September 1972.

[No. S. 35018(25)/73-PF. II]

का. आ. 3434.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रोड मशीन्स (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, ट्रांसपोर्ट डिपो रोड, कलकत्ता-27, जिसके अन्तर्गत उसका कार्यालय 31, चित्तरंजन एवेन्यू, कलकत्ता-12 भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्भ पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 की जुलाई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35017(31)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3434.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Road Machines (India) Private Limited, Transport Depot Road, Calcutta-27 including its office at 31 Chittaranjan Avenue, Calcutta-12 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1972.

[No. S-35017/31/73-PF.II]

का. आ. 3435.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एवेन्दिया प्राइवेट लिमिटेड, लिबर्टी बिल्डिंग, मरीन लाइन्स, मुम्बई-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्भ पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 के फरवरी के अठाइसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35018(23)/73-पी. एफ. 2(1)]

S.O. 3435.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Avindia Private Limited, Liberty Building, Marine Lines, Bombay-20 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty eighth day of February, 1971.

[No. S-35018(23)/73-PF.II(i)]

का. आ. 3446.—कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्भ पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मैसर्स एविन्दिया प्राइवेट लिमिटेड, लिबर्टी, मरीन लाइन्स, मुम्बई-20 नामक स्थापन को 28 फरवरी, 1971 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एस-35018(23)/73-पी. एफ. 2(2)]

S.O. 3436.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter hereby specifies with effect from the twenty-eighth day of February, 1971, the establishment known as Messrs Avindia Private Limited, Liberty Building, Marine Lines, Bombay-20, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35018(23)/73-P.F. II(ii)]

का. आ. 3437.—यतः केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ब्लेन फिल्म एन्टरप्राइजेज (प्राइवेट) लिमिटेड, के. जी. रोड, बंगलूर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्भ पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस 35019(93)/73-पी. एफ. 1(1)]

S.O. 3437.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Blaine Film Enterprises (Private) Limited K. G. Road, Bangalore have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019/93/73-PF. II(i)]

का. आ. 3438.—कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्भ पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मैसर्स ब्लेन फिल्म एन्टरप्राइजेज (प्राइवेट) लिमिटेड, के. जी. रोड, बंगलूर नामक स्थापन को 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एस-35019(93)/73-पी. एफ. 2(2)]

S.O. 3438.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April,

1973 the establishment known as Messrs Blaine Film Enterprises (Private) Limited K. G. Road, Bangalore for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/93/73-PF. II(ii)]

का. आ. 3439.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भवानी ट्रेडर्स, लेंसस आफ श्री राम प्रेस एण्ड मिल्स, डोंकीनावल्सा, श्री काकुलम जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्भ पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किया करती है।

यह अधिसूचना 1972 के नवम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. 8/275/70-पी. एफ. 2]

S.O. 3439.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bhawani Traders, Lessess of Shri Rama Press and Mills, Denkinavalsa, Srikakulam District have agreed that provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1972.

[No. 8/275/70-PF. II]

का. आ. 3440.—यतः मैसर्स हिन्दुस्तान आइडीयल इन्वॉयेन्स कम्पनी लिमिटेड, आन्ध्र बैंक बिल्डिंग, पोस्ट बाक्स सं. 144 सुलतान बाजार, हैदराबाद (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्भ पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन छूट देने के लिए आवेदन किया है।

और यतः केन्द्रीय सरकार को राय में अभिप्राय की वरों की बाबत उक्त स्थापन के भविष्य निधि के नियम उसके कर्मचारियों के लिए उन नियमों के कम अनुकूल नहीं हैं जो उक्त अधिनियम की धारा 6 में विनिर्दिष्ट हैं, और कर्मचारी भविष्य निधि की अन्य प्रसूविधाएं भी पा रहे हैं जो कर्मचारियों के लिए कुल मिलाकर उन प्रसूविधाओं से कम अनुकूल नहीं हैं, जो उसी प्रकार के किसी अन्य स्थापन के कर्मचारियों के संबंध में उक्त अधिनियम के अधीन या कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन दी जाती हैं।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन केन्द्रीय सरकार उक्त स्थापन की उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है और उक्त धारा 17 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि—

(क) उक्त स्थापन से सम्बद्ध नियोजन उक्त स्थापन के उन कर्मचारियों को, जो यदि वह छूट न दी गई होती तो, उक्त

स्कीम के अधीन सदस्य हो गए हों, तत्समय दिये गये वेतन के (आधारिक मजदूरी, मंहगाई भत्ता, प्रतिधारण भत्ता, यदि कोई हो, और उस पर अनुज्ञेय खाद्य रियायत का भकद मूल्य) 0.09 प्रतिशत (शून्य दशमलव शून्य नौ प्रतिशत) की दर से निरीक्षण-प्रभार मासान्त के पन्द्रह दिन के भीतर कर्मचारी भविष्य निधि को देगा ;

(ख) उक्त स्थापन से सम्बद्ध नियोजक—

(1) मासिक भविष्य निधि अभिदायों को, जिस मास से वे संबंधित हों, उस मासान्त के पन्द्रह दिनों के भीतर, उस स्थापन की वास्तविक रूप से गठित न्यासी बोर्ड को अन्तर्गत करेगा ;

(2) उक्त नियोजक या विनिधान के लिए उत्तरदायी कोई अन्य प्राधिकारी भविष्य निधि अभिदायों को, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निकाले गए निर्देशों के अनुसार, विनिहित करेगा ।

(ग)(1) उपर्युक्त (क) की वास्तविक नियोजक द्वारा

(2) उपर्युक्त (ख) की वास्तविक नियोजक या किसी अन्य उत्तरदायी प्राधिकारी द्वारा ऐसा न किया जाने पर वे चर्चास्थिति, कर्मचारी भविष्य निधि या न्यासी बोर्ड को नुकसानी या क्षति देने के दायी होंगे ।

अनुसूची

1. नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त को वं विवरणीय भेजेगा जिन्हें केन्द्रीय सरकार समय-समय पर विहित करे ।

2. नियोजक प्रत्येक कर्मचारी का वार्षिक लेखा-विवरण या पास बुक भेजेगा ।

3. निधि के प्रशासन, जिसमें लेखाओं का बनाए रखना, लेखाओं और विवरणियों का भेजा जाना, संघर्षों का अन्तरण, निरीक्षण-प्रभारों आदि का संदाय आदि सम्मिलित हैं, में अन्तर्गलित सभी व्ययों का धन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक समुचित सरकार द्वारा अनुमोदित निधि के नियमों की एक प्रति स्थापन के सूचनापट्ट पर प्रदर्शित करेगा और जब कभी उनमें संशोधन किया जाएगा तब कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य-मुख्य बातों का अनुवाद भी प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी निधि) या छूट-प्राप्त किसी अन्य स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही से सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित होता है तो नियोजक स्थापन की निधि के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त ही दर्ज करेगा और ऐसे कर्मचारी की वास्तविक उसके पिछले संघर्षों को स्वीकार करके उन्हें उसके खाते में अर्ज करेगा ।

6. यदि उस वर्ग के स्थापनों के लिए, जिसमें नियोजक का स्थापन आता है, भविष्य निधि के अभिदायों की दर कर्मचारी भविष्य निधि और कटुस्व पेंशन निधि अधिनियम, 1952 के अधीन नहीं है तो नियोजक भविष्य निधि के अभिदायों की दर समुचित रूप से बढ़ा देगा ताकि स्थापन की भविष्य निधि स्कीम के अधीन की प्रसूतिधाराएं उन प्रसूतिधाराओं से कम अनुकूल न हो जाएं जिनकी व्यवस्था कर्मचारी भविष्य निधि और कटुस्व पेंशन निधि अधिनियम, 1952 के अधीन है ।

7. स्थापन अपनी भविष्य निधि का संपरीक्षण तुलनापत्र हर वर्ष प्रादेशिक आयुक्त को वर्षान्त के तीन मास के भीतर भेजेगा ।

8. भविष्य निधि के नियमों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा । जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना संभाव्य हो वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, हंशराज अपना अनुमोदन देने से पूर्व, कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा ।

[सं. 11(23)/70-सी. एफ. 2.]

S.O. 3440.—Whereas Messrs Hindustan Ideal Insurance Company Limited, Andhra Bank Building, Post Box No. 144, Sultan Bazar, Hyderabad (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the Employees' Provident Fund and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952);

AND WHEREAS in the opinion of the Central Government, the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable to the employees therein than those specified in section 6 of the said Act, and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the said Scheme) in relation to the employees in any other establishment of a similar character;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the said Act, and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme and in pursuance of sub-section (3) of the said section 17, the Central Government hereby directs that—

(a) the employers in relation to the said establishment shall pay within fifteen days of the close of the month to the Employees' Provident Fund, Inspection Charges at the rate of 0.09 per cent (zero point zero nine per cent) of the pay (basic wages, dearness allowance, retaining allowance, if any and cash value of food concession admissible thereon) for the time being payable to the employees of the said establishment who would have become members under the said Scheme but for this exemption;

(b) the employer in relation to the said establishment;

(i) shall transfer the monthly provident fund contributions within fifteen days of close of the month to which the contribution relate to the Board of Trustees duly constituted in respect of that establishment.

(ii) the said employer or any other authority responsible for the investment shall invest the provident fund contributions in accordance with the directions issued by the Central Government from time to time.

(c) failure to do so (i) in respect of (a) above by the employer (ii) in respect of (b) above by the employer or any other authority responsible will render them liable to pay damages or interest to Employees' Provident Fund or Board of Trustees, as the case may be.

SCHEDULE

1. The employer shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government may, from time to time, prescribe.

2. The employer shall furnish to each employee an annual statement of account or Pass Book.

3. All expenses involved in the administration of the fund including the maintenance of accounts, submission of

accounts and returns, transfer of accumulations, payment of inspection charges etc., shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the notice board of the establishment a copy of the rules of the fund as approved by the appropriate Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient points thereof in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee who is already member of the Employees' Provident Fund (Statutory Fund) or the provident fund of another exempted establishment is employed in his establishment, the employer shall immediately enrolle him as a member of the fund of the establishment, and accept the past accumulations in respect of such employee and credit to his account.

6. The employer shall enhance the rate of provident fund contribution appropriately if the rate of provident fund contributions for the class of establishments in which his establishment falls is enhanced under the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 so that the benefits under the provident fund Scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefit provided under the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952.

7. The establishment shall submit an audited balance sheet of its provident fund every year to the Regional Commissioner within 3 months of the close of the year.

8. No amendment of the rules of the provident fund shall be made without the previous approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Where any amendment is likely to affect adversely the interests of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner, Hyderabad shall, before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

[No. 11(23)/70-PF.II]

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1973

का. आ. 3441.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मॅसर्स एम. आर. नवीनचन्द्र एण्ड कम्पनी, 38-50 काजी सैयद स्ट्रीट, मूडी बाजार, मुम्बई-3 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के अक्तूबर के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं. एस-35018(69)/73-पी. एफ. 2]

New Delhi, the 30th November, 1973

S.O. 3441.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs M. R. Navin Chandra and Company, 38.50 Kazi Sayed, Street, Mudi Bazar, Bombay-3, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of October, 1972.

[No. S-35018(69)/73-PF. II]

का. आ. 3442.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मॅसर्स बायपाति बिजनेस कार्पोरेशन, विजयवाड़ा-1, कृष्णा जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के जून के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं. एस-35019(43)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3442.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Boyapati Business Corporation, Vijayawada-1 Krishna District have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1973.

[No. S-35019/43/73-PF. II]

का. आ. 3443.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मॅसर्स बालेश्वरदास लोईवाल, ई-2, गिलन्दर हाऊस, 8, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के मार्च के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं. एस-35017(37)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3443.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Baleshwardas Loival, E-2, Gillander House, 8, Netaji Subhas Road, Calcutta-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1972.

[No. S-35017/37/73/PF-II]

का. आ. 3444.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मॅसर्स कमलींग चाइनीज रेस्टोरेंट, नागिन महल, 82, वीर नरिमान रोड, चर्चगेट, मुम्बई-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1972 की जुलाई के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं. एस-35018(70)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3444.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kamling Chinese, Restaurant, Nagin Mahal, 82, Veer Nariman Road, Churchgate, Bombay-20 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and the Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of July, 1972.

[No. S. 35018/70/73/PF-II]

का. आ. 3445.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मॅसर्स शिवराज मोटर्स सर्विस-डिविजन, सं. 135/1, रेजिडेंसी रोड, बंगलूर-25 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[सं. एस-35019(110)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3445.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Khivraj Motors Service—Division, No. 135/1, Residency Road, Bangalore-25 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019/110/73/PF-II]

का. आ. 3446.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मॅसर्स सिकरी ब्रदर्स कोल कम्पनी पी-40, प्रिन्सप स्ट्रीट, कलकत्ता-13 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1972 के अप्रैल के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35017(32)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3446.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sikri Brothers Coal Company P-40, Princep Street, Calcutta-13 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April 1972.

[No. S-35017/32/73-PF. II]

का. आ. 3447.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मॅसर्स बंगलूर स्टार्च कम्पनी, सं. 57/1, बारहवां मील, टुमकूर रोड, नेलमंगला तालुक, बंगलूर-22, जिसमें इसका सं. 33, एन. एस. रोड, कलकत्ता-1 स्थित शाखा कार्यालय भी सम्मिलित है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35019(105)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3447.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bangalore Starch Company, No. 57/1, 12th Mile, Tumkur Road, Nelamangala Tqr, Bangalore-22 including its Branch Office at No. 33, N. S. Road Calcutta-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act, to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S-35019/105/73 PF. II]

का. आ. 3448.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इण्डियन काफी हाउस, कोर्ट रोड, नगरकोइल कन्याकुमारी जिला, जिसमें इसकी शाखाएं क्रेप रोड, नगरकोइल और क्रेप कोमरिल भी सम्मिलित हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 की मई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस. 35019(57)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3448.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the Employees in relation to the establishment known as the Messrs Indian Coffee House, Court Road, Nagercoil Kanya Kumari District and its branches at Cape Road, Nagercoil and at Cape Commerine have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1973.

[No. S. 35019/57/73-PF.II]

का. आ. 3449.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जगन्नाथ सा मिल, स्टेशन रोड, भुवनेश्वर-6 (उड़ीसा) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35019(115)/73-पी एफ 2]

S.O. 3449.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jagannath Saw Mill, Station Road, Bhubaneswar-6 (Orissa) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019/115/73-PF. III]

का. आ. 3450.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एलिमेंट पब्लिसिटीज, 77, जनरल पेटर्स रोड, मद्रास-2, जिसमें इसका एलिमेंट प्रोसेस सं. 27, पीटर्स रोड, मद्रास-14, स्थित प्रोसेस भी सम्मिलित है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और

कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35019(35)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3450.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Elegant Publicities, 77, General Patters Road, Madras-2 including its Process at Elegant Process No. 27, Peters Road, Madras-14, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019/35/73/PF-II]

का. आ. 3451.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एक्शन फार वाटर डेवलपमेंट मैसर्स सोसाइटी, 14, पैलस रोड, बंगलौर-52 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1972 के अक्तूबर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35019(114)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3451.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Action For Water Development Mysore Society, 14, Palace Road, Bangalore-52 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1972.

[No. S-35019/114/73-PF. II]

का. आ. 3452.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि किलापल्लुर कोआपरेटिव मिल्क सप्लाय सोसाइटी लिमिटेड, किलापल्लुर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के मार्च के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(56)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3452.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kilapaluvur Cooperative Milk Supply Society Limited, Kilapaluvur have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1973.

[No. S. 35019(56)/73-PF. II]

का. आ. 3453.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बिहार इस्पात (इंजीनियर्स) लिमिटेड, पी. बी. सं. 54, रांची-1 (बिहार) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की वह संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(73)/72-पी. एफ. 2]

S.O. 3453.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bihar Ispat (Engineers) Limited, Post Box No. 54, Ranchi-1 (Bihar), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1971.

[No. S. 35019/73/72/PF-II]

का. आ. 3454.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स तिवारी रैस्टोरेंट, 3-ए, जगमोहन मल्लिक लेन, (प्रथम मंजिल), कालकत्ता-7 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

106 G of 1/73-6.

यह अधिसूचना 1972 के मार्च के इक्कीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35017(30)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3454.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Tiwari Restaurant, 3-A Jagmohan Mullick Lane, (1st Floor), Calcutta-7, have agreed that the provisions of the employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1972.

[No. S. 35017/30/73/PF-II]

का. आ. 3455.—कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 3978, तारीख 12 नवम्बर, 1970 को अधिष्ठात करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री टी. के. हांगले को उक्त अधिनियम और उसके अधीन विरीचित किसी स्कीम और कटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या किसी ऐसे स्थापन के संबंध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हों, सम्पूर्ण मध्य प्रदेश राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं. ए. 12016(19)/73-पी. एफ. 1]

S.O. 3455.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3976, dated the 12th November, 1970, the Central Government hereby appoints Shri T. K. Dongle to be an Inspector for the whole of the State of Madhya Pradesh for the purposes of the said Act and the Scheme and the family pension scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016/19/73-PF. I]

का. आ. 3456.—कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार सर्व श्री जी. बी. नेंथनी, एल. एस. अवस्थी, आर. के. कुरील और वी. जे. सिंह को उक्त अधिनियम और उसके अधीन विरीचित स्कीम और कटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या किसी ऐसे स्थापन के संबंध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हों, सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं. ए. 12016(16)/73-पी. एफ. 1]

S.O. 3456.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Sarvashri G. B. Naithani L. S. Awasthi, R. K. Kureel and V. J. Singh to be an Inspector for the whole of the State of Uttar Pradesh for the purposes of the said Act and the Scheme and the family pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016/16/73-PF. I]

का. आ. 3457.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स निहालचन्द सागर मल, मालगोदाम कटक-3, उड़ीसा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कृतुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जानें चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा ((4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1970 की मई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या 8/298/70-पी. एफ. 2]

दलजीत सिंह, अवर सचिव

S.O. 3457.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Nihal Chand Sagar Mal, Malgodown Cuttack-3, Orissa have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the Provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1970.

[No. 8/298/70-PF-II]

DALJIT SINGH, Under Secy.